वर्ष : 16 ❖ अंक : 126 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 13 दिसम्बर 2021

जमाकर्ताओं के पैसे की सुरक्षा बैकों की समृद्धि की कुंजी : पीएम 3 | खौफ की यादें अभी भी ताजा 8

विधानसभा का मजाक बना रही है एसकेएम सरकार : पवन चामलिंग

कहा- बजट सत्र से सदन की कार्यवाही में लुंगा हिस्सा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 12 दिसम्बर । पूर्व मुख्यमंत्री और एसडीएफ पार्टी के अध्यक्ष पवन चामलिंग ने कहा कि एसकेएम सरकार सिक्किम विधानसभा का मजाक बना रही है। सदन में कोई लोकतंत्र नहीं है और इसकी गरिमा और पवित्रता को लूटा जाता है। यह शर्म की बात है कि लगभग तीन वर्षों तक सदन की दीर्घा से असंसदीय शब्दों का प्रयोग करने वाले गुंडों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। स्पीकर सदन में निष्पक्ष माहौल बनाने में विफल रहे हैं।

यहां जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि सीएम और मंत्रियों ने सदन में केवल झूठ बोला है और सही जवाब देने में विफल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वह अगले बजट सत्र से विधानसभा में भाग लेंगे और लोगों को एसकेएम सरकार द्वारा दबाए गए सच बताएंगे। ये बातें विधानसभा के सत्र में उनकी अनुपस्थिति को लेकर किए गए सवाल के जवाब में उन्होंने कही।

पवन चामलिंग ने कहा कि सिक्किम में आधुनिक लोकतंत्र के इतिहास में कभी भी विधानसभा का इतना क्रूर शोषण और लोकतंत्र की इतनी क्रूरता से हत्या नहीं हुई थी। विधानसभा की पवित्रता लोकतंत्र की आधारशिला है और हम विधानसभा में कैसे कार्य करते हैं यह हमारे लोकतंत्र का केंद्र बिंदु है। विधानसभा लोगों की आकांक्षाओं का केंद्र है जहां वे अपने प्रतिनिधियों को विश्वास, आशा और लोकतंत्र के लिए एक बड़ा सम्मान के साथ भेजते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन अभी जो सिक्किम विधानसभा में हो रहा है, वह अब तक सबसे खराब उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि अध्यक्ष सदन की पवित्रता का संरक्षक होता है और सदन में एक निष्पक्ष, उपयुक्त और सम्मानजनक माहौल बनाना उनकी जिम्मेदारी होती है। लेकिन सिक्किम विधानसभा में माहौल इसके ठीक उलट है। एक जन प्रतिनिधि के रूप में अपने लगभग 37 वर्षों के राजनीतिक सफर में, अपने 8वें कार्यकाल में, मैंने महसूस किया कि जिस सदन में मेरा बोलने का अधिकार छीन लिया गया वहां एक अघोषित आपातकाल था। अतीत में हिंसक जानवरों के एक झुंड की तरह, पूरी ट्रेजरी बेंच ने मुझे घेरने की एक हताश कोशिश की। वे क्रोध, घृणा और शत्रुता की किसी अजीब भावना से ग्रसित व्यक्तियों की तरह दिखते थे। मुझे बड़ा झटका लगा, अध्यक्ष और मुख्यमंत्री मूकदर्शक बने रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनमें से किसी ने भी ट्रेजरी बेंच को शांत करने का एक भी प्रयास नहीं किया ताकि मैं बोल सकूं। इस तरह यह सभा काम कर रही है। लोगों ने देखा है कि कैसे पहली बार एसकेएम सरकार के आने के बाद विधानसभा में एसकेएम प्रायोजित गुंडों ने गैलरी से मुझे 'चोर, चोर, आपको बोलने का कोई अधिकार नहीं है' कहकर अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। जब मुख्यमंत्री तमांग से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस बारे में मुझे पता नहीं है। वह कौन थे? उन्होंने गैलरी में कैसे प्रवेश दिया गया? क्या जांच की गई? क्या कार्रवाई की गई है? करीब तीन साल बाद भी इसके जवाब किसी के पास नहीं हैं। यह केवल यह साबित करता है कि विधानसभा, जो लोकतंत्र का मंदिर है, गुंडों का अड्डा बन गई है।

एसडीएफ अध्यक्ष पवन चामलिंग ने कहा कि मैं इस बात से पूरी तरह वाकिफ हूं कि सिक्किम के लोग मुझसे विधानसभा में शामिल होने की उम्मीद करते हैं। मैं इंतजार कर रहा था कि विधानसभा के लोग सच और जिम्मेदारी से बोलना सीखें। लेकिन उन्होंने मुझे विफल कर दिया। आज भी वे पिछली सरकार को दोष देते हैं। वे इस तथ्य से अनजान लगते हैं कि वे सरकार में हैं और उनका काम एक जिम्मेदार सरकार के रूप में कार्य करना है न कि एक प्रचारक विपक्षी दल की तरह बात करना। अब बहुत हो गया है। मैं अब और इंतजार नहीं करूंगा। मैं अगले बजट सत्र से विधानसभा में जाऊंगा और उनसे कहूंगा कि बड़े होकर, सरकार बनकर काम करो। हमारी सरकार में एलटी मुद्दे और करमापा के मुद्दों पर उन्हें जानकारी दी जाएगी।

पवन चामलिंग ने कहा कि विधानसभा में मेरी अनुपस्थिति उनके अलोकतांत्रिक कामकाज के खिलाफ अपनी तीव्र घृणा दर्ज करने के लिए थी।

उन्होंने मीडिया को भी प्रवेश नहीं करने दिया ताकि वे अपने अलोकतांत्रिक तरीके से काम करने के तरीके को छिपा सकें। मैंने सिक्किम में हुई ऐसी असंवैधानिक घटना पर एसडीएफ पार्टी के रुख को व्यक्त करने के लिए अपनी भूमिका निभाई है। मुझे उम्मीद है कि सिक्किम के बुद्धिजीवी और समाज हमेशा के लिए मूकदर्शक नहीं बने रहेंगे। इसके परिणाम हम सभी को देखने को मिल रहे हैं। सिक्किम में जो कुछ है वह अराजकता है। विधानसभा में झूठ बोलने की संस्कृति पेश की गई है। गुमराह करने वाले और खुलेआम झूठे

जवाब देने में सीएम और उनके कैबिनेट मंत्रियों ने एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की।

उन्होंने एलटी सीटों और करमापा के सिक्किम दौरे के सवाल के जवाब के नाम पर झूठ का ढेर लगा दिया। यह सिक्किम के लोगों का घोर अपमान है। यह हमारे स्तर को कम करना है। यह हमारी छवि को खराब कर रहा है। सभा अब सत्य की तलाश और वकालत करने, लोगों को न्याय प्रदान करने और लोगों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करने का स्थान नहीं है। मैं सिक्किमियों से अपील करता हूं समाज इन दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकताओं पर सोचे। भविष्य में जब शोधकर्ता एसएलए में रखे गए उन अभिलेखों को पढ़ेंगे, तो उनके लिए यह विश्वास करना मुश्किल होगा कि सिक्किम विधानसभा में ऐसी चीजें हुई थीं। यह मुझे दुखी करता है और इससे लोकतंत्र और सिक्किम के हर प्रेमी को दुख होना चाहिए।

भाजपा-एसकेएम गठबंधन में दरार आया सामने

डी.टी. लेप्चा के बयान पर कला राई ने लोगों को किया सावधान

अश्विनी आनंद

गंगटोक, 12 दिसम्बर । प्रदेश में भाजपा और एसकेएम गठबंधन में दरार बढ़ता जा रहा है। आलम यह है कि गठबंधन को लेकर दोनों ओर के नेताओं की ओर से बयानबाजी की जा रही है। खास बात यह है कि दोनों ही पार्टियों के आला अधिकारियों की ओर से न ही इन बयानों का समर्थन किया जा रहा है और न ही इसका खंडन ही किया जा रहा है।

पिछलों दिनों भाजपा के विधायक डी.टी. लेप्चा ने भाजपा और एसकेएम के गठबंधन को लेकर कहा था कि यह सम्मानजनक गठबंधन नहीं है। भाजपा ने राज्य के लोगों के हित में एसकेएम सरकार के साथ गठबंधन किया है। उन्होंने तो यहां तक दावा किया था कि अगर एसडीएफ को छोड़कर वे और अन्य विधायक भाजपा में शामिल नहीं हुए होते तो पीएस गोले मुख्यमंत्री भी नहीं बन पाते।

उनके इस बयान पर अब एसकेएम की वरिष्ठ नेता तथा लोअर सिच्छे पार्षद कला राई ने कहा कि राजनीति जनता और राज्य के व्यापक हित के लिए की जाती है। निजी स्वार्थ के लिए राजनीति करने वालों से जनता को दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी राजनीति करते हैं उन्हें पूरी जनता के विकास के लिए काम करना चाहिए लेकिन डी.टी. लेप्चा जैसे कुछ लोग केवल खुद के लिए राजनीति करते हैं जिससे राज्य के लोगों को सावधान रहना चाहिए। उन्होंने भाजपा विधायक डी.टी. लेप्चा को मौकावादी, स्वार्थी और छोटी सोच वाला व्यक्ति करार दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के कारण राजनीति का अर्थ ही बदल जाता है।

उल्लेखनीय है कि भाजपा और एसकेएम के बीच 2019 से ही गठबंधन चल रहा है लेकिन यह गठबंधन कभी भी लोगों की नजर में मजबूत नहीं रहा है। भाजपा के नेताओं की ओर से कई बार एसकेएम सरकार पर निशाना साधा गया है तथा कई मुद्दों पर भाजपा ने कड़ाई के साथ एसकेएम का विरोध भी किया है। खास बात यह है कि इस बारे में अभी तक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डीबी चौहान और एसकेएम अध्यक्ष तथा मुख्यमंत्री पीएस गोले की ओर से किसी प्रकार का आधिकारिक बयान नहीं आया है। साथ ही राज्य के शीर्ष नेता भी इस पर किसी प्रकार की कड़ी प्रतिक्रिया देने से बचते आए हैं। भाजपा पर एसकेएम सरकार को ब्लैकमेल करने के आरोप भी लगे लेकिन किसी ओर से इसका खंडन नहीं किया गया।

खास बात यह है कि भाजपा प्रदेश में अपनी जड़ें जमाना चाहती है लेकिन एसकेएम सरकार के साथ उसके गठबंधन के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा है। बताया जाता है कि सरकार के रहने के बावजूद राज्य में भाजपा के विधायकों की एक नहीं सुनी जाती है और एसकेएम सरकार अपने ढर्रे पर काम कर रही है। भाजपा विधायकों के सरकार में रहने के बावजूद उनका काम नहीं होने से उनका जनाधार खिसकता जा रहा है। उधर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की ओर से भी इस दिशा में कुछ नहीं किया जा रहा है। इससे भाजपा के विधायक अपने अध्यक्ष से नाराज चल रहे हैं। पिछली बार तमाम विरोध के बावजूद भाजपा ने एक बार फिर से डीबी चौहान को ही प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंप दी है इससे भी भाजपा के बीच अंदरूनी कलह का बल मिल रहा है। भाजपा के इस आपसी कल का असर भाजपा और एसकेएम के गठबंधन पर भी दिखने लगा है।

अदालत के आदेश के बाद जगी सरकार

उत्तर जिले में याक के लिए चार माह के भोजन का किया भंडारण

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 12 दिसम्बर । लाचुंग के मुगुथांग और ल्सासर और लाचेन घाटी में भारी बर्फबारी के कारण लुप्तप्राय याक को भुखमरी से बचाने के लिए राज्य सरकार के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग की ओर से इस दिसंबर महीने से अगले साल मार्च महीने तक चार माह की अवधि के लिए शीतकालीन भोजन की व्यवस्था की गई है। यह प्रावधान कोर्ट के आदेश के अनुपालन में किया जा रहा है।

2019 में अक्षम सरकारी प्रबंधन और समय पर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने में विफलता के कारण भारी बर्फबारी के कारण 300 से अधिक याक की भूख से मौत हो गई थी। सिक्किम उच्च न्यायालय ने याक की दुर्लभ नस्लों के बारे में स्वत: संज्ञान लेते हुए नवंबर 2020 में सर्दियों की शुरुआत से कम से कम चार महीने के लिए उन्हें खाद्यान्न, भोजन और चिकित्सा सहायता प्रदान करने का आदेश दिया था। राज्य के पशुपालन विभाग ने वार्षिक बजट में कम से कम 50 लाख रुपये तक की सामग्री, अनाज और अन्य आवश्यक दवाओं के भंडारण का आदेश दिया था।

कोर्ट के आदेश के अनुपालन में राज्य के पशुपालन विभाग ने इस साल भीषण सर्दी की स्थिति को देखते हुए याक के लिए खाद्यान्न और खाद्य और चिकित्सा सहायता सामग्री का भंडारण किया है। पशुपालन मंत्री लोकनाथ शर्मा ने कहा कि विभाग ने सभी ब्लॉकों में खनिज मिश्रित आहार का भंडारण किया है जो चार माह के लिए पर्याप्त होगा। सरकार ने 2019 के बाद से कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए याक के लिए लाचेन और लाचुंग घाटी क्षेत्रों में 10/10 घास के गोदाम और याक आश्रयों का निर्माण किया है।

मंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार याक चरवाहों को ऊंचे इलाकों में चारण के लिए प्रोत्साहित कर हर आवश्यक सहायता और प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। अक्टूबर 2019 में राज्य सरकार द्वारा किए गए नवीनतम सर्वेक्षण के अनुसार, उत्तरी जिले में याक के 79 याक पालक हैं और याक की कुल आबादी 3230 हैं। (शेष पृष्ठ ०३ पर)

बीजेपी राज्य हित के लिए प्रतिबद्ध : चौहान

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 12 दिसम्बर । भारतीय जनता पार्टी, सिक्किम प्रदेश कार्यसमिति की मासिक बैठक आज सिंगताम में पार्टी कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में पार्टी अध्यक्ष डीबी चौहान, महासचिव भरत दुलाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एसबी कार्की, विधायक एसटी वेंचुंग्पा, वाईटी लेप्चा, टीटी भूटिया, फरवन्ती तमांग, राजकुमारी थापा, कार्यसमिति के सदस्य एवं जिलाध्यक्ष एवं महासचिव उपस्थित रहे। यह जानकारी प्रदेश भाजपा प्रवक्ता डा राजू गिरी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

बैठक शुरू होने से पहले, उपस्थित सभी लोगों ने सीडीएस जनरल विपिन रावत और 12 अन्य लोगों को श्रद्धांजलि दी, जो हाल ही में तमिलनाडु में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए थे। वंदे मातरम के गायन से शुरू हुई बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष एसबी कार्की ने स्वागत भाषण दिया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डीबी चौहान ने हाल ही में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन के महासचिव बीएल संतोष और अन्य नेताओं से अपने संगठनात्मक दौरे के दौरान नई दिल्ली हुई मुलाकात के विषयों के बारे में जानकारी दी। इस संदर्भ में उन्होंने बताया कि राज्य संगठनों की विभिन्न शिकायतों को भी केंद्र में ले जाया गया। उन्होंने बताया कि चारों जिले में पार्टी कार्यालयों के निर्माण के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ विशेष चर्चा की गई।

उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य की संगठनात्मक शिकायतों का जल्द ही समाधान किया जाएगा। भाजपा को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बताते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी आज देश के सभी क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी को सिक्किम के लोगों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा सिक्किम के लोगों के हित में काम किया है।

बैठक में महासचिव भरत दुलाल ने दिसंबर माह में पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी और सभी से एकजुट होकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया। बैठक में विधायक एसटी वेंचुंग्पा, उपाध्यक्ष अर्जुन राई, किसान मोर्चा के अध्यक्ष मोहन गुरुंग आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इसी तरह प्रशिक्षण प्रमुख तथा प्रवक्ता डॉ. राजू गिरी ने आगामी जिला प्रशिक्षण शिविर के लिए अपनी तैयारियों की जानकारी दी।

आज की बैठक में पार्टी महासचिव विधायक एसटी वेंचुंग्पा को उनके व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए पार्टी उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं प्रांतीय समन्वयक सुदीप प्रधान को महासचिव नियुक्त किया गया।

हाल की बैठक में भारतीय खाद्य निगम ने सिक्किम से भाजपा के पांच पदाधिकारियों प्रकाश राई, जगत सिंह सिंघी, किनले गालचेन भूटिया, भानु दहाल और श्रीमती विष्णु कुमारी मंगर को सिक्किम राज्य सलाहकार के लिए नामित किया। पार्टी ने उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

मंत्री लोकनाथ शर्मा ने लाभर्थियों को सौंपे घर

अनुगामिनी का.सं.

गेजिंग, 12 दिसम्बर । सिक्किम सरकार के कृषि मन्त्री तथा गेजिंग बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र के विधायक लोकनाथ शर्मा ने आज गेजिंग बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र के बर्मेक बर्थांग और चिंगथांग ग्राम पंचायत इकाई के अन्तर्गत वर्तमान सरकार द्वारा कुल 17 लाख 51 हजार रुपये की लागत से बनाए गए सिक्किम गरीब आवास योजना के पांच नवनिर्मित घरों का उद्घाटन कर लाभार्थियों को गृह प्रवेश कराया।

आज गृह प्रवेश करने वालों में देव नारायण शर्मा रातोमाते थांगसिंग वार्ड 27 बर्मेक बर्थांग ग्राम प्रशासन केन्द्र, संचमान सुब्बा बर्फोक वार्ड, 28 चिंगथांग ग्राम प्रशासन केन्द्र, धन बहादुर छेत्री बर्फोक वार्ड, 28 चिंगथांग ग्राम प्रशासन केन्द्र, कुमारी छेत्री चिंगथांग वार्ड, 28 चिंगथांग ग्राम प्रशासन केन्द्र, कान्तामाया छेत्री चिंगथांग वार्ड, 28 चिंगथांग ग्राम प्रशासन केन्द्र शामिल हैं। मन्त्री शर्मा के साथ मार्तम खंड विकास अधिकारी प्रतिभा तमांग, सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा पार्टी के पश्चिम जिला अध्यक्ष एबी सुब्बा एनएचपीसी के अध्यक्ष तथा पार्टी की केन्द्रीय कार्यकारी सदस्य रामकुमार छेत्री, क्षेत्र स्तरीय अध्यक्ष सन्विर लिम्बू (शेष पृष्ठ ०३ पर)

मेजर जनरल रोहित साहनी ने की राज्यपाल से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 12 दिसम्बर । राजभवन में राज्यपाल गंगा प्रसाद से मेजर जनरल रोहित साहनी, जनरल ऑफिसर कमांडिंग (नामित) 17 माउंटेन डिवीजन, ने शनिवार को शिष्टाचार भेंट की।

जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने राज्यपाल को सूचित किया कि आगे से वे ब्लैक कैट डिवीजन की कमान मेजर जनरल गंभीर सिंह, एवीएसएम को सौंप रहे हैं, उन्होंने अपनी कमान छोड़ने पर तथा अब तक सभी जगह सेना और नागरिक प्रशासन के बीच हुए आत्मीय सहयोग के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित की।

राज्यपाल ने मेजर गंभीर सिंह, एवीएसएम को ब्लैक कैट डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रुप में नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

साहित्यिक क्लासिक्स का अनुवाद विभिन्न भारतीय भाषाओं में हो : उपराष्ट्रपति

हैदराबाद, 12 दिसम्बर (एजेन्सी)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने रविवार को विभिन्न भारतीय भाषाओं में साहित्यिक क्लासिक्स के अनुवादों की संख्या बढ़ाने के लिए सक्रिय और ठोस प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने क्षेत्रीय भारतीय साहित्य की समृद्ध विरासत को लोगों की मातृभाषा में सुलभ बनाने के लिए अनुवाद में तकनीकी प्रगति का लाभ उठाने का सुझाव दिया।

पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगू विश्वविद्यालय के 36वें स्थापना दिवस समरोह को संबोधित करते हुए उन्होंने श्री कृष्णदेवराय द्वारा अन्य भारतीय भाषाओं में 'अमुक्तमाल्यदा' जैसे क्लासिक्स का अनुवाद करने में विश्वविद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने भारत में विभिन्न भाषाओं के उपयोग को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए इस तरह के और प्रयासों का आह्वान किया।

नायडू ने विभिन्न शोध पहलों के माध्यम से तेलुगू भाषा, साहित्य और इतिहास को संरक्षित करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने याद दिलाया कि आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन.टी. रामा राव ने इस विश्वविद्यालय की स्थापना की पहल की थी।

उन्होंने तेलंगाना राज्य सरकार और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के विश्वविद्यालय के विकास और तेलुगू भाषा और संस्कृति को आगे बढ़ाने के प्रयासों की भी सराहना की।

यह देखते हुए कि वैश्वीकरण का व्यापक प्रभाव पड़ा है, उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि युवा अपनी सांस्कृतिक विरासत से संपर्क न खोएं। उन्होंने अपनी पहचान बनाने और युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने में भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि लोगों को अपनी मातृभाषा में बोलने में गर्व महसूस करना चाहिए।

नायडू ने कहा कि राष्ट्रीय शैक्षिक नीति, 2020 का उद्देश्य भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना है और प्राथमिक शिक्षा को बच्चे की मातृभाषा में प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा तक और तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए भी शिक्षा का माध्यम मातृभाषा में होना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने विश्वविद्यालयों से भाषाओं में उन्नत शोध करने और भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली में सुधार करने का आह्वान किया, ताकि शिक्षा जगत में उनकी व्यापक पहुंच और उपयोग को सुगम बनाया जा सके।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने कवि और आलोचक डॉ. कुरेला विठ्ठलाचार्य और कुचिपुड़ी नृत्य प्रस्तावक कलाकृष्ण को पुरस्कार प्रदान किए।

बाद में, नायडू ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय, केंद्र सरकार द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। आगंतुक पुस्तिका में लिखते हुए उपराष्ट्रपति ने तेलंगाना और हरियाणा के युग्मित राज्यों की संस्कृति को प्रदर्शित करने के लिए आयोजकों के प्रयासों की सराहना की।

कांग्रेस को यूपर के मुश्किल मैदान में प्रियंका के 'महिला' कार्ड पर है भरोसा

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा किए जा रहे बड़े-बड़े वादों पर भरोसा कर रही है, क्योंकि पार्टी महासचिव राज्य की महिला मतदाताओं पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

प्रियंका गांधी ने बुधवार को 'शक्ति विधान' शीर्षक से महिलाओं के लिए एक घोषणापत्र जारी किया था। उन्हें लगता है कि यह 403 सदस्यीय यूपी विधानसभा के चुनाव में पार्टी के लिए गेम-चेंजर हो सकता है।

प्रियंका गांधी ने वादा किया है कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है, तो राज्य में महिलाओं के लिए 20 लाख नई नौकरियों का सृजन किया जाएगा। लक्ष्य कांग्रेस को 40 प्रतिशत आवंटित करेगी।

साथ ही, अपनी महिला कर्मचारियों की संख्या को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने वाले व्यवसायों को कर छूट सहित प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।

घोषणापत्र में राज्य पुलिस बल में महिलाओं के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण का भी वादा किया गया है। प्रत्येक पुलिस स्टेशन में कम से कम एक महिला अधिकारी और कांस्टेबल होंगे। दुष्कर्म जैसे अपराध की कोई शिकायत मिलने के 10 दिनों के भीतर अत्याचार अधिनियम की धारा 4 का पालन नहीं करने पर अधिकारियों के निलंबन का कानून बनाया जाएगा।

इनके अलावा 10 प्लस 2 में पढ़ने वाली हर लड़की को स्मार्टफोन मिलेगा, जबकि अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम में दाखिला लेने वाली लड़कियों को स्कूटी मिलेगी।

घोषणापत्र के अनुसार, महिलाओं हर साल तीन मुफ्त गैस सिलेंडर प्राप्त करने के अलावा, सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा करेंगी।

ये 'शक्ति विधान' में किए गए वादे हैं।

लेकिन कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में अपनी सक्रियता कम कर दी है, क्योंकि यहां मुख्य लड़ाई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच है। साथ ही, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) भी मैदान में है। 2017 के पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ सात सीटें मिली थीं।

पिछली बार के विपरीत, कांग्रेस के अभी तक किसी भी गठबंधन में प्रवेश करने की कोई ठोस बात नहीं हुई है। हालांकि, गुरुवार को शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रियंका गांधी से मुलाकात की और कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश और गोवा में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन कर सकती है।

कुछ लोग इस संभावित गठबंधन को हिंदुत्व मतदाताओं के बीच विश्वसनीयता हासिल करने के कांग्रेस के प्रयास के रूप में देख सकते हैं।

हाल ही में प्रियंका गांधी को अक्सर मंदिरों में जाते देखा गया है। हाल ही में वाराणसी में एक रैली में अपना भाषण शुरू करने से पहले उन्होंने 'दुर्गा स्तुति' का भी जाप किया।

नवंबर में, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक टिप्पणी की थी कि अगर भाजपा राज्य में सरकार बनाती है, तो सभी विपक्षी नेता मंदिरों के बाहर 'कार सेवा' करते नजर आएंगे।

इसका जवाब देते हुए प्रियंका गांधी ने गुरुवार को कहा था, 'क्या योगी जी जानते हैं कि मैं किस मंदिर में जाती हूं? मैं 14 साल की उम्र से व्रत रखती आ रही हूं। मुझे अपने धर्म या आस्था के लिए किसी से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है।'

कांग्रेस सपा प्रमुख अखिलेश यादव से सीएए-एनआरसी आंदोलन के दौरान उनकी भूमिका को लेकर सवाल करने की कोशिश कर रही है। प्रियंका गांधी ने हाल ही में मुरादाबाद में एक रैली में सवाल किया, 'जब सीएए आंदोलन चल रहा था, तब समाजवादी पार्टी के नेता कहां थे?'

पार्टी ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एआईसीसी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में भी शामिल किया है, और उनकी ओबीसी साख पर भरोसा कर रही है।

कांग्रेस नेता और एमएलसी दीपक सिंह ने कहा, 'कांग्रेस के तीन मुख्यमंत्री हैं - पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी दलित समुदाय से हैं, जबकि राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत और बघेल ओबीसी से हैं। इसलिए यह कांग्रेस है, न कि भाजपा, जो दलितों को सिर्फ सशक्त बनाना चाहती है।'

कांग्रेस जिस तरह कड़ी मेहनत कर रही है, राजनीतिक विशेषज्ञों को लगता है कि इसने एक ऐसी चर्चा पैदा की है, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में वास्तविक परिणाम दिखाएगी।

कॉमन एंट्रेंस टेस्ट से केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिला, डीयू लेगा अपना अलग एंट्रेंस टेस्ट

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय चाहता है कि आगामी सत्र से देश के सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले 'सेंट्रल यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट' के जरिए किए जाएं। इसके लिए आवश्यक तैयारियां भी शुरू कर दी गई है। देश भर के सभी 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों को इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश व संवाद किया गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय का अपना अलग 'सेंट्रल यूनिवर्सिटी एंट्रेंस एग्जाम टेस्ट' आयोजित किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय एवं यूजीसी द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद अब अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालय भी इस और तेजी से बढ़ रहे हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि अगले शैक्षणिक सत्र 2022 -2023 से दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय समेत अन्य ऐसे सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिला केवल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट से संभव हो सकेगा।

मौजूदा व्यवस्था के तहत अधिकांश विश्वविद्यालयों में 12वीं कक्षा में प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार की जाती है। छात्रों को अलग-अलग विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए अलग-अलग तिथियों पर संबंधित विश्वविद्यालय के फॉर्म भरने होते हैं। मनचाहे विश्वविद्यालय में दाखिला नहीं मिल पाने पर छात्र उन विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों का रुख करते हैं, जहां दाखिले के लिए सीटें शेष बची रह जाती हैं।

यूजीसी के अनुसार, केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) शैक्षणिक सत्र 2022-2023 से राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से आयोजित किया जाएगा।

उधर दूसरी ओर शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी के दिशा निर्देशों पर अमल करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय की अकादमिक काउंसिल (एसी) ने शैक्षणिक सत्र 2022-23 से स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) के प्रस्ताव को पारित कर दिया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पारित किए गए इस प्रस्ताव को लागू करने से पहले इसे विश्वविद्यालय की एग्जीक्यूटिव काउंसिल से मंजूरी दिलवाना आवश्यक है। विश्वविद्यालय एग्जीक्यूटिव काउंसिल 17 दिसंबर को इस विषय में अहम निर्णय लेने जा रही है।

दिल्ली विश्वविद्यालय की एग्जीक्यूटिव काउंसिल के सदस्य अशोक अग्रवाल इस नए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि एग्जीक्यूटिव काउंसिल की बैठक में इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। अग्रवाल के मुताबिक इस तरह का कॉमन एंटरेंस टेस्ट बिना तैयारी के लाया जा रहा है। इसमें कई खामियां हैं जिसके कारण गरीब बच्चों को इसका सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ेगा। इसे लेकर अभी और चर्चा की जानी चाहिए जिसके बाद ही यह कॉमन एंट्रेंस टेस्ट अमल में लाया जा सकता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय की अकादमिक काउंसिल के पूर्व सदस्य एवं प्रोफेसर हंसराज सुमन ने कहा बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय का अपना एक अलग कॉमन एंट्रेंस टेस्ट होगा। इस टेस्ट के माध्यम से केवल दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में ही दाखिले संभव होंगे। विश्वविद्यालय जो नियम तय करने जा रहा है उसके मुताबिक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट और 12वीं में प्राप्त किए गए अंकों का को 50-50 फीसदी वेटेज दिया जाएगा।

हालांकि हंसराज सुमन भी इस फैसले के खिलाफ हैं। उनका कहना है कि इस प्रकार के कॉमन एंट्रेंस टेस्ट से दिल्ली में दिल्ली विश्वविद्यालय में दाखिला दिलवाने के लिए नए-नए कोचिंग सेंटर की मशरूमिंग हो जाएगी। गरीब बच्चे इस सिस्टम से पूरी तरह बाहर हो जाएंगे। 12वीं कक्षा में हासिल किए गए अंक उन्हें दाखिला दिलाने में पहले की तरह उतनी मदद नहीं कर सकेंगे।

यूजीसी का कहना है कि कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) शैक्षणिक सत्र 2022-2023 से राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से आयोजित किया जा सकता है।

यूजीसी ने यह भी कहा है कि पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए नेट स्कोर का उपयोग किया जाएगा।

यूपी विधानसभा चुनाव में संग्राम का जरिया बनी 'टोपियां'

लखनऊ, 12 दिसम्बर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले एक बार फिर लाल टोपी सुर्खियों में आ गयी है। सियासत में जहां इसे लेकर विपक्षी दलों पर हमले हो रहे हैं। वहीं विपक्षी कुछ भी हो लेकिन यूपी चुनाव में लाल टोपी संग्राम का जरिया बन गयी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गोरखपुर रैली में टोपी पर दिए गये बयान ने विवाद पैदा कर दिया है। हलांकि राजनीति में प्रतीकों का अपना एक अलग महत्व होता है। झण्डा, बैनर, पोस्टर, मुखौटा वेशभूषा के सहारे राजनीतिक दल वार-पलटवार करते रहते हैं।

लाल टोपी को लेकर संग्राम की शुरूआत यूपी विधानसभा से हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्यपाल के अभिभाषण पर बोल रहे थे तभी लाल टोपी पहने समाजवादी पार्टी के कुछ विधायकों ने टोका टाकी शुरू की। इस पर योगी ने चुटकी लेते हुए कहा कोई लाल टोपी कोई हरी टोपी। पता नहीं ये क्या परिपाटी बन गई है? पता नहीं ये लोग घर पर भी टोपी पहन कर रहते हैं। फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई। कहा कि एक कार्यक्रम में था, टोपी पहनकर आने वाले को ढाई साल के बच्चे ने कहा मम्मी-मम्मी ये देखो गुंडा। इस पर विधायकों ने खूब हल्ला भी किया था।

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो प्रधानमंत्री ने जानबूझकर यह बात बोली है। जिससे विपक्षी उन पर हमले करने को मजबूर हो जाएं। मोदी हिन्दुत्व विकास और विश्वास को एक साथ साधते हुए पूरी सियासत का रूख अपनी ओर करने की झलक दिखायी हैं। राजनीतिक विश्लेषक प्रसून पांडेय कहते हैं कि टोपियों के जरिए अपने-अपने वोटरों को साधने का एक अवसर है। सभी लोग अपने-अपने एजेंडे को धार देने में लगे हुए हैं।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इस पर पलटवार भी किया है। वह अगले दिन संसद भवन में पार्टी के सभी सांसदों के साथ लाल टोपी में भी पहुंचे थे। लाल टोपी पर छिड़े जंग के बाद अखिलेश यादव ने ट्विटर और फेसबुक पर अपनी प्रोफाइल फोटो बदल ली है। उन्होंने लाल टोपी वाली अपनी तस्वीर लगा ली है। उनके ऐसा करते ही सपा के बांकी नेता और समर्थकों में भी होड़ मच गई है। सब अपनी पुरानी तस्वीर बदल कर लाल टोपी वाली फोटो लगाने लगे हैं।

अखिलेश यादव जब भी किसी कार्यक्रम या रैली में जाते हैं तो लाल टोपी जरूर पहनते हैं। कई बार तो वे अपने साथ दो तीन ऐसी टोपियां रखते हैं। उनकी देखा देखी अब पार्टी के बाकी नेता और कार्यकर्ता भी ऐसा ही करने लगे हैं। मुख्यमंत्री बनने से पहले अखिलेश टोपी नहीं पहनते थे, लेकिन पिता मुलायम सिंह यादव के कहने पर उन्होंने इसे नियमित रूप से पहनना शुरू किया। मुलायम अक्सर कार्यक्रमों में लाल टोपी में देखे जाते हैं।

भाजपा और सपा की चल रहे टोपी संग्राम में आम आदमी पार्टी भी कूद गयी। राज्यसभा सांसद और यूपी प्रभारी संजय सिंह ने काली टोपी को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा है। संजय सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी की एक पुरानी तस्वीर ट्वीट कर लिखा है, मोदी जी काली टोपी वालों का दिल और दिमाग दोनो काला होता है।

कई दशकों से यूपी की राजनीति पर गहरी नजर रखने वाले वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक रतनमणि लाल ने बताया, 'आज कल के दौर में बहुत कम राजनीतिक दल के लोगों को किसी उनके प्रतीक से पहचाना जा सके। भाजपा को भगवा कहते हैं लेकिन हर नेता भगवा कपड़े का इस्तेमाल तो करते नहीं है। बसपा के लिए, नीला रंग कहते हैं। लेकिन मायावती ने कभी नीला कपड़ा नहीं दिखा है। सपा पर हरे रंग का आरोप ज्यादा लगा। जबकि कांग्रेस सफेद रंग में चलती है। ऐसे में टोपी को सपा ने पहचान बनाने की कोशिश की है।

सपा मुखिया ने इसे अब पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का पहचान पत्र बना दिया है। इससे बिना नाम लिए ही इस पर तंज हो सकता है। भाजपा ने इसे जनमानस में संदेश देने का प्रयास किया है कि लाल टोपी यानि सपा के लोगों से बच के रहना है। हो सकता है आगे चलकर सपा का नाम न लिया जाए। सपा का अपरोक्ष रूप से फायदा होगा। सपा के अब ज्यादा लोग लाल टोपी पहनेंगे। बैठे-बैठाएं उनको पहचान मिल गयी है। भाजपा ने इंगित किया था। लेकिन सपा के लिए मुफ्त प्रचार का माध्यम बन गयी है।'

बीजेपी-बसपा को बड़ा झटका, सपा में शामिल हुए जय चौबे और विनय शंकर

लखनऊ, 12 दिसम्बर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश की खलीलाबाद विधानसभा सीट से भाजपा विधायक दिग्विजय नारायण चौबे उर्फ जय चौबे और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से हाल ही में निष्कासित किए गए विधायक विनय शंकर तिवारी सहित अन्य नेता रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल हो गए हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में सभी नेताओं ने सपा ज्वाइन किया।

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पूर्वांचल की राजनीति के लिहाज से इसे भाजपा और बसपा के लिए बड़ा झटका तथा सपा के लिए अहम उपलब्धि माना जा रहा है। बता दें कि जय चौबे बस्ती मंडल के कद्दावर नेता हैं।

गोरखपुर जिले की चिल्लूपार विधानसभा सीट से विधायक विनय शंकर तिवारी, उनके भाई संत कबीर नगर से पूर्व सांसद कुशल तिवारी और उनके करीबी रिश्तेदार एवं विधान परिषद के पूर्व सभापति गणेश शंकर पांडेय के अलावा जय चौबे लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। विनय और कुशल तिवारी पूर्वांचल के कद्दावर नेता रहे हरिशंकर तिवारी के पुत्र तथा गणेश शंकर के भांजे हैं।

बता दें कि विनय शंकर तिवारी की अखिलेश से दिसंबर के पहले हफ्ते में ही मुलाकात हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि पांडेय और तिवारी बंधुओं को बसपा से हाल ही में अनुशासनहीनता के आरोप में निष्कासित किया गया था। बसपा सूत्रों के अनुसार विनय शंकर तिवारी की अखिलेश से मुलाकात के बाद ही 7 दिसंबर को तिवारी परिवार को बसपा से निष्कासित किया गया था।

हर साल लगेगा किसान आंदोलन मेला, महापंचायत भी जारी रहेगी: राकेश टिकैत

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेन्सी)। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि महापंचायत का आयोजन समय-समय पर होता रहेगा। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन का सफलतापूर्वक संचालन करने के बाद टिकैत ने यह बात कही। उन्होंने हर साल 10 दिन का किसान आंदोलन मेला आयोजित करने की भी कही।

टिकैत ने उन्होंने कहाकि हर साल 10 दिन का किसान आंदोलन मेला आयोजित किया जाएगा। वहीं किसानों के मुद्दे पर बात करने के लिए समय-समय पर महापंचायत भी होगी। टिकैत ने इस दौरान आंदोलन के दौरान सरकार पर दबाव बनाने के लिए मीडिया की भूमिका की भी तारीफ की। गौरतलब है कि आंदोलन के सफलतापूर्वक खत्म होने के बाद किसान दिल्ली बॉर्डर से अपने घर पहुंचने लगे हैं। बड़ी संख्या में किसान धरनास्थल को खाली कर चुके हैं। अब किसान 15 जनवरी को एक समीक्षा बैठक करेंगे। संयुक्त किसान मोर्चा ने अपने बयान में कहाकि अगर सरकार अपने वादों को पूरा नहीं करती है तो हम अपना आंदोलन फिर से शुरू करेंगे।

इससे पहले 19 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात की घोषणा की थी कि सरकार तीन कृषि कानूनों को वापस ले लेगी। इसके बाद 29 नवंबर को शीतकालीन सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों में प्रक्रिया पूरी करने के बाद इन कानूनों को वापस ले लिया गया।

हालांकि किसानों ने इसके बाद भी आंदोलन खत्म करने से इंकार कर दिया था। उनकी मांग थी कि किसान एमएसपी को लेकर कानूनी गारंटी दे साथ ही किसानों पर लगाए गए मुकदमों को वापस ले। बाद में सरकार ने किसानों की मांग को मानते हुए एक लिखित पत्र जारी किया था।

दूसरे हफ्ते में सुधरा राज्यसभा का कामकाज, 52.50 फीसदी रही प्रोडक्टिविटी

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेन्सी)। शीतकालीन सत्र के दूसरे हफ्ते में राज्यसभा के कामकाज में तेजी से सुधार हुआ है। इस दौरान राज्यसभा की प्रोडक्टिविटी 52.50 फीसदी रही। पिछले हफ्ते की तुलना में इसमें 5.60 फीसदी का इजाफा हुआ है। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते राज्यसभा का कामकाज काफी प्रभावित हुआ था।

खासतौर पर 12 सदस्यों के निलंबन के बाद हंगामे के चलते सदन को कई बार स्थगित करना पड़ा था।

अगर इस सत्र के पहले दोनों हफ्तों की बात करें तो राज्यसभा में सरकार के विधायी काम पर कुल 32.25 समय खर्च हुआ। इस दौरान 5 बिल पास हुए। इनमें से दो बिल पहले हफ्ते में पास हुए थे। यह दो बिल थे फार्म लॉ रिपील बिल और डैम सेफ्टी बिल। हालांकि सदन का पहला हफ्ता काफी हंगामेदार भी रहा था।

इस दौरान कृषि कानून वापसी विधेयक पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा मचाया था। इसके बाद 12 सदस्यों को निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद भी सदन का कामकाज सुचारू रूप से चल नहीं पाया।

वैसे पहले सप्ताह में राज्यसभा की प्रोडक्टिविटी 47.70 फीसदी रही थी। इस दौरान तय समय का 52.30 फीसदी नुकसान हुआ था। राज्यसभा सचिवालय के मुताबिक कुल 27 जीरो ऑवर और 15 स्पेशल मेंशस सदन में हुए थे।

जमाकर्ताओं के पैसे की सुरक्षा बैंकों की समृद्धि की कुंजी : पीएम

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि जमाकर्ताओं के पैसे की सुरक्षा बैंकों की समग्र समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। मोदी ने कहा, 'देश की समृद्धि में बैंक बड़ी भूमिका निभाते हैं और बैंकों की समृद्धि के लिए, यह भी उतना ही जरूरी है कि जमाकर्ताओं का पैसा सुरक्षित रहे। बैंकों को बचाना है तो जमाकर्ताओं की रक्षा करनी होगी।

प्रधानमंत्री यहां 'डिपोजिटर्स फर्स्ट : गारंटीड टाइम बाउंड डिपोजिट इंश्योरेंट पेमेंट अप टू 5 लाख' थीम पर आधारित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम के दौरान, मोदी ने कुछ जमाकर्ताओं को चेक सौंपे, जिनकी मेहनत की कमाई कुछ बैंकों के दिवालिया होने के कारण फंस गई थी।

पीएम मोदी ने कहा, ''जमाकर्ता पहले' की भावना को ध्यान में रखते हुए, आज के आयोजन को दिया गया नाम इसे और भी सटीक बनाता है। पिछले कुछ दिनों में, एक लाख से अधिक जमाकर्ताओं को उनका पैसा वापस मिल गया है जो वर्षों से अटका हुआ था। यह राशि 1300 करोड़ रुपये से अधिक है।'

भारत में, बैंक जमाकर्ताओं के लिए बीमा योजना पहली बार 1960 के दशक में 50,000 रुपये तक की सुरक्षा के साथ पेश की गई थी जिसे बाद में बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया गया था। हालांकि, जमाकर्ताओं के पैसे वापस करने की कोई समय सीमा नहीं थी। 2020 में, केंद्र ने 90 दिनों की समय सीमा के साथ सीमा को बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया। पीएम मोदी ने कहा, 'गरीबों और मध्यम वर्ग की चिंता को समझते हुए हमने यह सीमा बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी है।' मोदी ने कहा कि कुल जमाकर्ताओं में से 98 प्रतिशत वर्तमान में जमाकर्ता बीमा योजना के तहत आते हैं और केंद्र उनके पैसे की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत ने पाकिस्तान से प्रत्यक्ष युद्ध जीते हैं और परोक्ष युद्ध भी जीतेंगे : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत ने पाकिस्तान के साथ सीधे युद्ध जीते हैं और अब परोक्ष युद्ध भी जीतेंगे।

राजनाथ सिंह ने रविवार को यहां इंडिया गेट पर भारत-पाकिस्तान के 1971 के युद्ध की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर 'स्वर्णिम विजय पर्व' समारोह का उद्घाटन करने के मौके पर कहा 1971 के युद्ध में शिकस्त खाने के बाद पाकिस्तान अब अघोषित युद्ध कर रहा है और आतंकवाद तथा अन्य भारत विरोधी गतिविधियों के जरिए देश के शांतिपूर्ण माहौल में व्यवधान पैदा करना चाहता है। भारतीय सेनाओं ने उनके मंसूबों को नाकाम कर दिया था और अब आतंकवाद को जड़ से मिटाने का काम जारी है। हम उसके साथ सीधा युद्ध जीत चुके हैं और परोक्ष युद्ध में भी हमारी विजय ही होगी।

राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान की कट्टर भारत विरोधी भावना का जिक्र करते हुए कहा भारत के खिलाफ पाकिस्तान की कठोर भावना को इस तरीके से समझा जा सकता है कि वह अपनी मिसाइलों के नाम भी उन हमलावरों के नाम पर रखता है जिन्होंने भारत पर हमले किए थे और इनके नाम गौरी, गजनवी, अब्दाली रखे गए हैं जबकि भारत ने अपनी मिसाइलों के नाम आकाश, पृथ्वी और अग्नि रखे हैं और हाल ही में हमने अपनी एक मिसाइल का नाम संत रखा है।

उन्होंने 11 दिसंबर को हेलीकॉप्टर लांचर स्टैंड- ऑफ एंटी टैंक नाशक मिसाइल के सफल परीक्षण के लिए रक्षा शोध एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को बधाई दी है। इसे डीआरडीओ ने स्वदेशी तौर पर विकसित किया है।

उन्होंने कहा कि दो विश्व युद्धों के बाद 1971 का भारत- पाकिस्तान का युद्ध काफी निर्णायक था। वह युद्ध हमें बताता है कि धर्म के आधार पर भारत का विभाजन एक ऐतिहासिक भूल था और पाकिस्तान का उदय धर्म के नाम पर ही हुआ था लेकिन वह एक नहीं रह सका है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि 1971 का युद्ध भारत की नैतिकता और लोकतांत्रिक परंपराओं को एक उत्कृष्ट उदाहरण है और ऐसा इतिहास में बहुत ही कम देखा जाएगा कि किसी देश को युद्ध में हराने के बाद दूसरा देश उस पर अपना प्रभुत्व नहीं सौंपता है लेकिन अपने राजनीतिक प्रतिनिधि को सत्ता सौंप देता है और भारत ने भी यही किया था क्योंकि यह हमारी संस्कृति का हिस्सा है। भारत ने कभी भी किसी दूसरे देश पर आक्रमण नहीं किया और न ही किसी देश की एक भी इंच जमीन पर कब्जा किया।

उन्होंने बंगलादेश में लोकतंत्र की स्थापना में भारत के योगदान का जिक्र किया और यह भी कहा कि पिछले 50 वर्षों में उसने काफी प्रगति की है जो पूरे विश्व के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि उस समय के पूर्वी पाकिस्तान में लोगों और महिलाओं पर हो रही ज्यादतियां पूरी मानवता के लिए खतरा थी और उन लोगों को अन्याय तथा शोषण से मुक्ति दिलाना भारत का कर्तव्य था।

उन्होंने उस युद्ध में भारत की जीत सुनिश्चित करने वाले जांबाज वीरों तथा शहीदों का जिक्र करते हुए कहा कि देश हमेशा उनके योगदान को याद रखेगा।

उन्होंने देश के पहले सीडीएस जनरल विपिन रावत के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह एक बहादुर सैनिक, बेहतर सलाहकार और बेहतरीन इंसान थे।

इस कार्यक्रम की परिणिति पूरे वर्ष की विजयी ज्योति की यात्रा के समापन के साथ होगी और इस स्वर्णिम विजय मशाल ने देश के कोने कोने की यात्रा की है तथा इस दौरान उस युद्ध में शहीद हुए जवानों के गांवो की मिट्टी के नमूने भी एकत्र किए गए। इसका मशाल यात्रा का समापन 16 दिसंबर 2021 को नई दिल्ली में एक भव्य समारोह में किया जाएगा।

राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत ने पाकिस्तान के साथ सीधे युद्ध जीते हैं और अब परोक्ष युद्ध भी जीतेंगे।

हिन्दुओं को सत्ता में लाओ, राहुल गांधी की अपील पर बरसे ओवैसी

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में रविवार को कांग्रेस की 'महंगाई हटाओ रैली' में राहुल गांधी महंगाई से ज्यादा हिन्दू और हिन्दुत्व पर बोले। दोनों के बीच फर्क बताते हुए राहुल ने मंच से अपील की कि हिन्दुत्ववादियों को सत्ता से हटाकर हिन्दुओं को वापस लाइए। राहुल गांधी की इस अपील पर सवाल उठाते हुए ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि भारत केवल हिन्दुओं का नहीं बल्कि हर भारतीय का है। उन्होंने कांग्रेस के सेक्युलरिजम पर तंज कसते हुए पूछा कि हिन्दुओं को सत्ता में लाना कैसे सेक्युलर अजेंडा हो सकता है?

ओवैसी ने कहा, ''राहुल और कांग्रेस ने हिन्दुत्व की जमीन को उपजाऊ बनाया। अब वे बहुसंख्यकवाद की फसल काटने की कोशिश कर रहे हैं। हिंदुओं को सत्ता में लाना 2021 का सेक्युलर अजेंडा है। वाह! भारत सभी भारतीयों का है, केवल हिन्दुओं का नहीं। भारत सभी धर्मों के लोगों का है और उनका भी जिनका कोई विश्वास नहीं है।''

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने हाल ही में आई अपनी किताब में हिन्दुत्व की तुलना आईएस और इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकवादी संगठनों से की है। इसके बाद से बीजेपी कांग्रेस पर हमलावर है। इसके बाद से राहुल गांधी हिंदू और हिन्दुओं को अलग बताने में जुटे हुए हैं। रविवार को एक बार फिर राहुल गांधी ने इसमें अंतर समझाते हुए कहा, ''हिंदू वह है जो सभी धर्मों का सम्मान करता है, सभी को गले लगाता है और किसी से नहीं डरता। गीता, उपनिषद, रामायण, महाभारत को पढ़िए, कहां लिखा है कि गरीब और कमजोर को दबाया जाए?'' राहुल ने महंगाई के लिए हिंदुत्ववादियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि इन्हें हर कीमत पर सत्ता चाहिए।

अपने भाषण की शुरुआत करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ''दो जीवों की एक आत्मा नहीं हो सकती उसी तरह दो शब्दों का एक मतलब नहीं हो सकता क्योंकि हर शब्द का अलग मतलब होता है। देश की राजनीति में आज दो शब्दों की टक्कर है। दो अलग शब्दों की। इनके मतलब अलग हैं। एक शब्द हिंदू दूसरा शब्द हिन्दुत्ववादी। यह एक चीज नहीं है। ये दो अलग शब्द हैं। और इनका मतलब बिलकुल अलग है। मैं हिंदू हूं, मगर हिन्दुत्ववादी नहीं हूं।'' लोगों को हिंदू व हिन्दुत्ववादी शब्द के बीच फर्क बताना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''महात्मा गांधी हिंदू... गोडसे हिन्दुत्ववादी। फर्क क्या होता है? फर्क मैं आपको बताता हूं। चाहे कुछ भी हो जाए हिंदू सत्य को ढूंढता है। मर जाए, कट जाए, पिस जाए, हिंदू सच को ढूंढता है। उसका रास्ता सत्याग्रह है। पूरी जिंदगी वह सच को ढूंढने में निकाल देता है।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि महात्मा गांधी ने पूरी जिंदगी सच को ढूंढने में बिता दी और अंत में एक हिंदुत्ववादी ने उनकी छाती में तीन गोलियां मारी। हिन्दुत्ववादी अपनी पूरी जिंदगी सत्ता को खोजने में लगा देता है। उसे सिर्फ सत्ता चाहिए और उसके लिए वह कुछ भी कर देगा। .... उसका रास्ता सत्याग्रह नहीं उसका रास्ता सत्ताग्रह है। राहुल ने कहा, ''यह देश हिन्दुओं का देश है, हिन्दुत्ववादियों का नहीं है और आज अगर इस देश में महंगाई है दर्द है तो यह काम हिन्दुत्ववादियों ने किया है। हिन्दुत्ववादियों को किसी भी हालत में सत्ता चाहिए.. इनका सच्चाई से कोई लेना देना नहीं ... 2014 से इन लोगों का राज है हिन्दुत्ववादियों का राज है हिन्दुओं का नहीं। और हमें हिन्दुत्ववादियों को बाहर निकालना है और एक बार फिर हिन्दुओं का राज लाना है।''

एनएचपीसी ने किया वृहत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 12 दिसम्बर। भारत सरकार की मिनी रत्न कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड की ओर से कलग्गंम पंचायत प्रशासनिक केंद्र, लोअर राकदोंग एक मुफ्त मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन तिस्ता-V पावर स्टेशन, तिस्ता-IV एचई प्रोजेक्ट और एनएचपीसी लिमिटेड के तिस्ता-VI एचई प्रोजेक्ट की ओर से आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सेंट्रल रेफरल हॉस्पिटल, तादोंग और नियोतिया गेटवेल हेल्थकेयर सेंटर सिलीगुड़ी के चिकित्सा विशेषज्ञों के सहयोग से किया गया।

शिविर का उद्घाटन संजय दरबारी, महाप्रबंधक (स्वतंत्र प्रभार) तिस्ता-V पावर स्टेशन और तिस्ता-IV जलविद्युत परियोजना के प्रमुख ने एनएचपीसी, सीआरएच, नियोतिया हेल्थकेयर सेंटर के वरिष्ठ डॉक्टरों, अधिकारियों और स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर बोलते हुए, संजय दरबारी ने कहा कि स्थानीय लोगों के अनुरोध पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर आगे स्थानीय लोगों के बीच स्वास्थ्य और स्वच्छता जागरूकता पैदा करने का काम करेगा। उन्होंने जिला अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के परामर्श से तिस्ता-V पीएस और तिस्ता-IV जलविद्युत परियोजना के परियोजना क्षेत्रों में एनएचपीसी द्वारा की गई विभिन्न विकास गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने तिस्ता-V पावर स्टेशन के चिकित्सा विभाग को भी बधाई दी।

दिक्चू झांग पंचायत सदस्य चंदू लाल शर्मा ने मुफ्त मेगा चिकित्सा शिविर आयोजित करने के लिए एनएचपीसी को धन्यवाद दिया और कहा कि इससे स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इस शिविर में कई चिकित्सा विशेषज्ञ उपस्थित रहे। इसमें 208 रोगियों को पंजीकृत किया गया और आवश्यकता के अनुसार मुफ्त परामर्श और दवाएं प्रदान की गईं। शिविर के समापन पर जरूरतमंद लोगों के बीच वितरण के लिए पल्स ऑक्सीमीटर, स्टीमर और रेस्पिरोमीटर पंचायत सदस्यों को सौंपे गए। आने वाले मरीजों के बीच फेस मास्क भी बांटे गए और कोविड उपयुक्त व्यवहार पर जोर दिया गया। स्थानीय आबादी ने एनएचपीसी तिस्ता-V पावर स्टेशन द्वारा की गई पहल की सराहना की।

एनएच 334बी को जनवरी 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य : गडकरी

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग 334बी, (जो यूपी-हरियाणा सीमा के पास बागपत से शुरू होता है और हरियाणा के रोहना में समाप्त होता है) अगले महीने (जनवरी 2022) तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, 'एनएच -334 बी 93 प्रतिशत प्रगति के साथ पूरा होने के करीब है और जनवरी 2022 तक जल्दी पूरा करने का लक्ष्य है।'

एनएच -334 बी, (जो राष्ट्रीय राजमार्ग 34 की एक स्पर रोड है और हरियाणा और उत्तर प्रदेश को पार करती है) उम्मीद है कि हरियाणा के माध्यम से यूपी से राजस्थान तक निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, यह सुनिश्चित करेगा कि उपयोगकर्ता दिल्ली यातायात को बाइपास कर सकें।

यह देखते हुए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्ग अभूतपूर्व गति से बढ़ रहे हैं, उन्होंने कहा कि एनएच -334 बी भी एनएच-44 को पार करेगा, जिससे चंडीगढ़ और दिल्ली के बीच यात्रियों को सीधी पहुंच मिलेगी।

चंडीगढ़ और दिल्ली के बीच की दूरी लगभग 245 किलोमीटर है और सड़क यात्रा में लगभग 5-6 घंटे लगते हैं, लेकिन इस बार नए राजमार्ग के भी काम होने की उम्मीद है।

गडकरी ने हाल ही में राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि सरकार पेड़ लगाकर नुकसान की भरपाई कर रही है।

राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास में मंत्रालय द्वारा अधिग्रहित मार्ग के अधिकार में पेड़ों की कटाई शामिल है। हालांकि, यह सुनिश्चित किया जाता है कि मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा करने के लिए कम से कम पेड़ों की कटाई की गई है। उन्होंने कहा, 'पारिस्थितिक नुकसान की भरपाई के लिए मध्य और सड़क के किनारे पौधरोपण किया जा रहा है।'

मार्च 2021 तक पूरी हुई 94 परियोजनाओं में कुल 55.10 लाख पौधे लगाए गए हैं।

मंत्री लोकनाथ शर्मा ....

प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मन्त्री लोकनाथ शर्मा ने लाभार्थियों को नया घर के लिए बधाई दी और कहा कि वर्तमान में सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा पार्टी तथा मुख्यमन्त्री प्रेम सिंह तमांग की सोच के अनुसार गरीब जनता के लिए इतना सुंदर घर बना कर सौंपा जा रहा है। उन्होंने कहा कि घर में सभी प्रकार की सुविधाएं हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी करने वालो भी इतनी अधिक राशि का घर नहीं बनवा पा रहे हैं लेकिन हमारी सरकार गरीबों के लिए इसे नि:शुल्क बना रही है।

अदालत के आदेश ....

इनमें 1184 नर, 1585 मादा और 461 बछड़े हैं।

वर्तमान में उत्तरी सिक्किम, मुगुथांग घाटी (लाचेन जुमसा), लस्यार घाटी (लाचेन जुमसा), युमथांग/युमेसामदोंग (लाचुंग झोमसा), सेबू/डोंकांग (लाचुंग जुमसा), च्याखुंग (नागाहेल बन) और थोलुंग अपर जंगों में याक पाले जाते हैं। मुगुथांग घाटी में 48 परिवार और ल्यासेर घाटी में 30 परिवार हैं जो या पालते हैं। मुगुथांग और ल्यासिरर घाटियों में याक पालक सर्दियों के मौसम में उच्च ऊंचाई पर प्रवास करते हैं।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR HAWK EVENING

Draw No:154 DrawDate on:12/12/21

1st Prize ₹1 Crore/- 67B 34851

Cons. Prize Rs.1000/- 34851 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

01332 02397 10981 28353 31441 40719 44005 76526 83647 91754

3rd Prize ₹450/-

0159 1636 1796 2440 4581 5782 6343 6542 6677 8740

4th Prize ₹250/-

0040 0099 0205 0284 1901 1914 2300 2599 7254 9120

5th Prize ₹120/-

0108 0198 0243 0378 0474 0525 0528 0611 0613 0722
0808 0971 1016 1062 1375 1474 1490 1539 1548 1583
1604 1609 1736 2072 2186 2207 2257 2519 2545 2557
2618 2785 2829 2838 3056 3071 3080 3082 3099 3160
3281 3588 3683 3700 3930 4058 4069 4130 4472 4635
4734 4991 5122 5213 5238 5278 5303 5322 5661 5668
5699 5935 6002 6208 6222 6231 6274 6369 6437 6527
6682 6896 7006 7038 7169 7206 7413 7443 7884 7894
7912 8182 8247 8347 8412 8626 8770 8788 8882 9014
9174 9343 9505 9568 9599 9694 9835 9849 9933 9940

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR MARS SATURDAY

Draw No:54 DrawDate on:11/12/21

1st Prize ₹1 Crore/- 81C 44596

Cons. Prize Rs.1000/- 44596 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

03121 16204 40974 47435 53659 65139 66432 81566 88341 93502

3rd Prize ₹450/-

0728 3040 3470 4105 4639 4998 5398 7005 7325 8249

4th Prize ₹250/-

1932 2565 3019 3174 4616 5924 6331 6502 8123 8127

5th Prize ₹120/-

0074 0104 0122 0144 0175 0313 0393 0433 0509 0511
0651 0666 0725 0816 0895 0917 1389 1457 1463 1408
1493 1512 1516 1754 2006 2047 2142 2252 2408 2440
2636 2643 2874 2890 3079 3092 3118 3247 3287 3292
3300 3528 3553 3560 3570 3599 3605 3731 3089 4116
4361 4364 4584 4749 4763 4825 4978 5052 5197 5207
5606 5713 5846 5943 5951 6020 6051 6103 6105 6177
6533 6558 6624 6705 7148 7439 7564 7620 7677 7730
8011 9054 8071 9222 8265 8307 9337 8338 9425 8464
8572 8578 8599 8628 8721 8805 9154 9337 9805 9845

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR DAMODAR MORNING

Draw No:54 DrawDate on:12/12/21

1st Prize ₹1 Crore/- 98B 03554

Cons. Prize Rs.1000/- 03554 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

17238 22460 24648 28578 29445 35794 45373 78929 80976 89055

3rd Prize ₹450/-

0262 0756 1261 4044 5215 5763 6640 7577 8329 9490

4th Prize ₹250/-

2325 3131 3381 4331 5029 5285 7076 7532 8273 9408

5th Prize ₹120/-

0178 0404 0579 0675 0833 0966 0975 0984 0988 1153
1196 1321 1339 1396 1560 1592 1913 2043 2085 2108
2352 2542 2582 2713 2765 3026 3057 3094 3142 3158
3175 3346 3353 3402 3426 3604 3611 3656 3673 3698
3749 3756 3824 3875 3895 3915 3987 4128 4186 4206
4352 4377 4420 4632 4871 4873 5095 5314 5403 5549
5578 5685 5734 5948 5978 5980 5998 6181 6185 6213
6234 6351 6471 6904 7000 7030 7276 7393 7428 7439
7703 7799 8026 8081 8226 8243 8272 8365 8440 8677
9211 9221 9593 9683 9738 9813 9818 9909 9933 9994

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR KOSAI MORNING

Draw No:54 DrawDate on:11/12/21

1st Prize ₹1 Crore/- 63G 77779

Cons. Prize Rs.1000/- 77779 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

00567 01312 08775 11001 32404 40464 57599 68602 69584 76748

3rd Prize ₹450/-

3677 4282 4385 4678 5186 5278 5987 6305 8700 9105

4th Prize ₹250/-

0574 0888 1145 3110 3424 3743 4256 5259 8308 9145

5th Prize ₹120/-

0358 0359 0456 0541 0547 0561 0726 0850 1032 1220
1228 1270 1345 1433 1537 1599 1738 1794 1820 1846
2077 2152 2228 2257 2303 2417 2537 2583 2661 2777
2919 2971 3028 3131 3289 3325 3501 3538 3652 3732
3847 3986 4384 4393 4503 4568 4679 4816 4830 4971
5063 5135 5155 5353 5420 5695 5698 5810 5875 5941
5950 5951 6301 6529 6568 6673 6710 6776 6810 6834
7008 7055 7064 7134 7244 7360 7370 7466 7957 8182
8203 9280 8326 9442 8460 8539 9641 8699 9840 9048
9068 9292 9354 9376 9388 9409 9595 9607 9900 9971

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR JUPITER SUNDAY

Draw No:54 DrawDate on:12/12/21

1st Prize ₹1 Crore/- 98K 49750

Cons. Prize Rs.1000/- 49750 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

32363 38602 39992 41089 51315 53632 70614 74101 84465 86458

3rd Prize ₹450/-

0212 0486 0497 1037 1133 2175 3723 4133 4732 9777

4th Prize ₹250/-

0073 0635 2011 2490 2504 3609 3879 5058 5640 8898

5th Prize ₹120/-

0036 0041 0168 0188 0223 0227 0428 0562 0746 1049
1092 1112 1216 1231 1321 1403 1450 1508 1615 1886
1947 2113 2122 2148 2238 2339 2366 2388 2507 2779
2835 2907 3007 3154 3224 3236 3253 3302 3481 3628
3739 3771 3775 3817 3851 4011 4022 4184 4416 4530
4715 5162 5379 5404 5469 5503 5699 5833 5876 6014
6041 6167 6271 6415 6548 6721 6830 6890 6966 7031
7087 7208 7223 7490 7519 7544 7629 7691 7733 7755
7930 8045 8250 8609 8626 8662 8677 8814 8959 9062
9113 9241 9282 9318 9530 9668 9747 9781 9855 9872

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR OSTRICH EVENING

Draw No:154 DrawDate on:11/12/21

1st Prize ₹1 Crore/- 76K 01894

Cons. Prize Rs.1000/- 01894 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

05361 13306 13849 20866 24818 32386 51996 60332 77181 81233

3rd Prize ₹450/-

1557 2350 3607 4301 5891 6144 6198 7337 7583 7896

4th Prize ₹250/-

0166 0317 2123 2704 3711 5031 6646 7628 8310 9618

5th Prize ₹120/-

0095 0318 0369 0508 0564 0606 0632 0635 0637 0713
0788 0898 0982 1122 1176 1223 1390 1453 1493 1497
1509 1599 1617 2114 2179 2552 2599 2696 2896 2959
3170 3539 3703 3783 3070 3993 4134 4159 4163 4329
4366 4367 4399 4415 4545 4630 4698 4741 4868 4873
4922 4925 5001 5148 5311 5569 5570 5673 5697 5759
6164 6189 6451 6558 6642 6687 6792 6806 6809 7057
7190 7275 7304 7336 7444 7487 7552 7509 7682 7742
7797 7815 7897 7930 7936 8090 8220 8203 8447 8473
8627 8690 9053 9094 9242 9308 9478 9607 9703 9853

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

लोकतंत्र की चुनातियां

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की पहल पर दो दिवसीय वर्चुअल समिट फॉर डेमोक्रेसी ऐसे समय हुई, जब पूरी दुनिया में लोकतंत्र की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। बाइडन ने समिट की शुरुआत करते हुए बताया कि यह लगातार 15वां वर्ष है, जब वैश्विक स्तर पर नागरिक स्वतंत्रता पर पाबंदियां बढ़ी हैं। यही नहीं, पिछले एक दशक के दौरान लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले आधे से ज्यादा देशों में लोकतंत्र बाधित हुआ है। वैसे, अन्य देशों की क्या बात की जाए खुद अमेरिका में भी लोकतंत्र गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है।

राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे घोषित हुए एक साल से ज्यादा हो चुका है, लेकिन ट्रंप समर्थकों की बड़ी संख्या ऐसी है, जिसने अब तक चुनाव परिणामों को स्वीकार नहीं किया है। अपने आसपास की बात करें तो पड़ोसी देश म्यांमार में निर्वाचित सरकार को इसी साल फरवरी में सेना ने ताकत के जोर से उखाड़ फेंका। जिन देशों में लोकतंत्र कायम है, वहां भी लोगों के लोकतांत्रिक अधिकार विभिन्न उपायों से कम किए जाने की शिकायतें मिल रही हैं।

ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि इस पहल के जरिए करीब 80 लोकतांत्रिक देशों के नेता एक मंच पर आए। इस मौके पर यह फर्क भी किसी की नजरों से छुपा नहीं रह सका कि लोकतांत्रिक देश होने के बावजूद पाकिस्तान इस आयोजन से गायब रहा, जबकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रभावी ढंग से शिरकत करते नजर आए। माना जा रहा है कि चीन की संभावित नाराजगी से बचने के कारण पाकिस्तान इसमें शामिल नहीं हुआ। चीन और रूस दो ऐसे प्रमुख देश रहे, जिन्हें इस समिट में आमंत्रित नहीं किया गया। चीन एकदलीय व्यवस्था वाला कम्युनिस्ट देश है, जहां शी चिनफिंग मनचाही अवधि के लिए राष्ट्रपति पद पर कब्जा कर चुके हैं, जहां शिन्च्यांग में उइगुरों का दमन किया जा रहा है। रूस में पूतिन पर विपक्षी नेताओं को दबाने और चुनावों में धांधली करने के आरोप लगते रहे हैं। ये दोनों ही देश इस आयोजन से क्षुब्ध हैं। दोनों देशों के वॉशिंग्टन स्थित राजदूतों ने संयुक्त बयान जारी कर जहां अपने-अपने देशों की तानाशाही व्यवस्था को अलग तरह का लोकतांत्रिक मॉडल बताया, वहीं 'शीत युद्ध के दौर वाली मानसिकता' अपनाने के लिए अमेरिका की तीखी आलोचना की।

बहरहाल, दुनिया में लोकतांत्रिक मूल्यों को खतरा सिर्फ अलग तरह के मॉडल वाली वैकल्पिक व्यवस्थाओं की ओर से नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के भीतर पल रही अलोकतांत्रिक प्रवृत्तियों से भी है। यह भी समझने की जरूरत है कि लोकतंत्र किसी भी समाज या देश पर बाहर से नहीं थोपा जा सकता, इसे अपनाने और बचाने की लड़ाई हर समाज को खुद लड़नी होती है, इसके बावजूद लोकतांत्रिक मूल्यों की चिंता को राष्ट्रीय भूगोल की सीमा में बांटकर नहीं रखा जा सकता। इन्हें वैश्विक मूल्य के रूप में संजोकर ही दुनिया बेहतरी की ओर कदम बढ़ा सकती है।

संपादकीय पृष्ठ

देश की आध्यात्मिक चेतना का कॉरिडोर

हेमंत शर्मा

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर अपने आततायी अतीत को सुधारने का संकल्प है। यानी सदियों की आध्यात्मिक विरासत का कायाकल्प। इस कॉरिडोर के बहाने इतिहास ने नई करवट ली है। इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि एक हजार साल के अन्याय का प्रतिकार बिना किसी ध्वंस के हुआ है। सिर्फ सृजन के जरिये। इसका स्वागत होना चाहिए। यह कॉरिडोर बाबा विश्वनाथ मंदिर के मुक्ति का उत्सव है। काशी मुक्ति का शहर है। मुक्ति की कामना में लोग यहां खिंचे चले आते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इसी मुक्ति कामी चेतना ने काशी विश्वनाथ मंदिर के एक हजार साल पुराने गौरव को लौटाया है।

ग्यारहवीं शताब्दी तक इस मंदिर की शक्ल ऐसी ही थी, जैसी आज बनाई गई है। काशी विश्वनाथ सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि मंदिरों का संकुल था। मंदिर परिसर के चारों तरफ कॉरिडोर की शक्ल में कक्ष थे, जहां संस्कृत, तंत्र और अध्यात्म की शिक्षा दी जाती थी। विद्यार्थी यहीं टिक कर धर्म और दर्शन की शिक्षा लेते थे। सत्रहवीं शताब्दी में औरंगजेब ने इस मंदिर संकुल को तोड़ने का आदेश इसलिए दिया कि उसका बागी भाई दारा शिकोह यहा संस्कृत पढ़ता था। दारा शिकोह ने औरंगजेब और इस्लाम से बगावत की थी। इसलिए औरंगजेब ने 18 अप्रैल, 1669 को मंदिर तोड़ने का फरमान जारी किया। फारसी में लिखे इस फरमान में दर्ज था कि 'वहां मूर्ख पंडित, रद्दी किताबों से दुष्ट विद्या पढ़ाते हैं।' औरंगजेब ने मंदिर तुड़वा कर एक मस्जिद भी तामीर करा दी, जिसे बाद में ज्ञानवापी मस्जिद कहा गया। ज्ञानवापी यानी ज्ञान का कुआं। उसके बाद कई चरणों में काशीवासियों, होल्कर और सिंधिया सरदारों की मदद से मंदिर बनता बिगड़ता रहा। 1752 से लेकर 1780 तक मराठा सरदार दत्ता जी सिंधिया और मल्हारराव होल्कर ने मंदिर की मुक्ति के प्रयास किए। पर 1777 और 80 के बीच इंदौर की महारानी अहिल्या बाई होल्कर को सफलता मिली।

अहिल्याबाई ने मंदिर तो बनवा दिया, पर वह उसका पुराना वैभव और गौरव नहीं लौटा पाईं। 1836 में महाराजा रणजीत सिंह ने इसके शिखर को स्वर्ण मंडित कराया। पर भगवान शंकर मंदिरों के थर्मस फ्लास्क में सांस लेते रहे। धीरे-धीरे मंदिर परिसर ऐसी बस्ती में बदल गया जिसके घरों में प्राचीन मंदिर कैद हो गए। कॉरिडोर बनवा कर प्रधानमंत्री ने अहिल्या बाई के सपनों को विस्तार दिया। परिसर के प्राचीन मंदिर जो चुरा कर घरों में कैद कर लिए गए थे, उन्हें मुक्त कराया।

इतिहास के अपने प्रस्थान बिंदु होते है। काशी विश्वनाथ मंदिर के निर्माण का यह तीसरा प्रस्थान बिंदु है। जब भी इतिहास में इसका जिक्र आएगा, मंदिर का पुनरुद्धार करने वाली अहिल्या बाई होल्कर, इसके शिखर को स्वर्ण मंडित करने वाले महाराजा रणजीत सिंह और मंदिर को उसकी ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक आभा लौटाने वाले नरेंद्र मोदी का नाम सामने होगा।

सबसे पहले इस मंदिर के टूटने का उल्लेख 1034 में मिलता है। 11वीं सदी में राजा हरिश्चंद्र ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया। 1194 में मोहम्मद गोरी ने इसे लूटने के बाद तोड़ा। स्थानीय लोगों ने इसे फिर बनवाया। 1447 में जौनपुर के सुल्तान ने इसे फिर से तोड़ा। अकबर की सर्वसमावेशी नीति के चलते टोडरमल ने 1585 में फिर इसका जीर्णोद्धार करवाया। टूटने-बनने का सिलसिला जारी रहा।1632 में शाहजहां ने इसे तोड़ने का आदेश दे सेना भेज दी। काशी के लोगों की एकजुटता के आगे मुगल सेना को वापस लौटना पड़ा। हालांकि इस संघर्ष में काशी के 63 मंदिर शहीद हुए। उसके बाद औरंगजेब ने इसे निशाना बनाया। परंपरा और इतिहास में यह मंदिर कालजयी सांस्कृतिक परंपराओं और उच्चतम आध्यात्मिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक रहा है। यही समृद्ध परंपरा यहां देश भर के संतों को खींच कर लाती रही। तीर्थंकर आए, बुद्ध आए, आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, गोस्वामी तुलसीदास, महर्षि दयानंद सरस्वती, गुरुनानक सब यहां आए। सबकी आंखें यहीं खुलीं।

फरवरी 1916 में महात्मा गांधी काशी हिंदू विश्वविद्यालय के स्थापना सम्मेलन में गए। बीएचयू में अपने संबोधन से एक दिन पहले गांधी काशी विश्वनाथ मंदिर गए। मंदिर की गंदगी ने उन्हें उद्वेलित किया। मंदिर की दशा की दिलचस्प तुलना उन्होंने भारतीय समाज से की। बीएचयू के अपने संबोधन में उन्होंने कहा, 'इस महान मंदिर में कोई अजनबी आए, तो हिंदुओं के बारे में उसकी क्या सोच होगी और तब जो वह हमारी निंदा करेगा, क्या वह जायज नहीं होगी ?, क्या इस मंदिर की हालत हमारे चरित्र को प्रतिबिंबित नहीं करती ? एक हिंदू होने के नाते, मैं जो महसूस करता हूं वही कह रहा हूं। अगर हमारे मंदिरों की हालत आदर्श नहीं है, तो फिर अपने स्वशासन के मॉडल को हम कैसे गलतियों से बचा पाएंगे ? जब अपनी खुशी से या बाध्य होकर अंग्रेज इस देश से चले जाएंगे, तो इसकी क्या गारंटी है कि हमारे मंदिर एकाएक पवित्रता, स्वच्छता और शांति के प्रतिरूप बन जाएंगे ?'

महात्मा गांधी ने काशी विश्वनाथ मंदिर पर चिंता जताते जिन तत्वों की जरूरत मंदिर के लिए बताई और स्वच्छता, पवित्रता व शांति का केंद्र बनाने का जो सपना देखा था, वह उनके जन्म के 150 साल में पूरा हुआ है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर हमारी धार्मिक परंपरा की प्रतिकृति है। इस देश के महापुरुषों के सपनों का स्मारक है। ये स्वख्न इस देश की महान आध्यत्मिक परंपरा की जमीन पर देखे गए। इनका इस भव्य रूप में साकार होना कल्पना से भी परे है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर इस देश की आध्यात्मिक चेतना का कॉरिडोर बन गया है। अपनी पूरी दिव्यता और भव्यता के साथ।

लोकतंत्र शिखर सम्मेलन में मोदी

डॉ. दिलीप चौबे

भारत में लोकतंत्र की सेहत को लेकर हाल के दिनों में दुनिया में बौद्धिक, राजनीतिक और मीडिया हलकों में लगातार चर्चा होती रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कई बार भारत में लोकतंत्र की सेहत और नागरिक स्वतंत्रता के हालात पर अपना पक्ष रखने का मौका मिला है। जी-7 देशों की बैठक में मोदी ने नागरिक स्वतंत्रताओं के बारे में अपना नजरिया पेश किया। शुक्रवार को संपन्न लोकतंत्र शिखर वार्ता में नरेन्द्र मोदी ने दुनिया को लोकतंत्र के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का भरोसा दिलाया। यह विडंबना है कि अमेरिका सहित पश्चिमी देशों के बौद्धिक संस्थान लगातार यह ऐलान करते रहे हैं कि मोदी के कार्यकाल में भारत का लोकतंत्र बीमार हो गया है। वहीं दूसरी ओर लोकतांत्रिक देशों के नेता मोदी को लोकतंत्र के प्रवक्ता के रूप में मान्यता दे रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की ओर से आयोजित लोकतंत्र शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतंत्र की परिभाषा को विस्तार दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल जनता का, जनता के लिए और जनता के द्वारा शासन प्रणाली नहीं है। लोकतंत्र जनता के साथ और जनता में अंतनिर्हित है। उन्होंने यह भी कहा कि लोकतंत्र के जरिये प्रभावी तरीके से जनकल्याण हो सकता है तथा हो भी रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतंत्र शिखर सम्मेलन में अमेरिका पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने अमेरिका का नाम लिये बगैर कहा कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष कैसे होते हैं, इस संबंध में वह अपने अनुभवों को साथा करना चाहता है। साथ ही उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के बारे में अलग-अलग देश अपनी परिस्थितियों के अनुसार अलग रास्ता चुन सकते हैं। अपने हजारों साल के इतिहास की विरासत से भारत ने लोकतंत्र का सबक सीखा है। भारत में हजारों साल पहले भी लोकतंत्र था, आज भी है और आगे भी रहेगा। लोकतंत्र शिखर वार्ता में मोदी का उद्बोधन उस समय हुआ जब राजधानी दिल्ली के बाहर सिंघु, टीकरी और गाजीपुर बार्डर पर डेरा जमाए किसानों की घर वापसी शुरू हो गई है। किसान आंदोलन किसकी जीत है और किसकी हार, इस पर लंबे समय तक बहस चलती रहेगी। वास्तव में यह लोकतंत्र की जीत है। किसान आंदोलन के लंबे समय तक जारी रहने के पीछे घरेलू राजनीति और अंतरराष्ट्रीय शक्तियों की भूमिका रही है। पाकिस्तान और चीन की सरकार किसान आंदोलन के समाप्त होने से निराशा महसूस कर रहे होंगे। पश्चिमी देशों के भारत विरोधी गुटों के लिए भी यह एक झटका है। इन ताकतों की यह मंशा थी कि आंदोलन अनंत काल तक चलता रहे। इस आंदोलन के जरिये वे एक निर्वाचित सरकार की वैधता और निर्णय लेने की उसकी शक्ति को कम करना चाहते थे।

जो बाइडेन ने लोकतंत्र शिखर वार्ता का आयोजन कर एक राजनीतिक चाल भी चली। रूस और चीन को आमंत्रित नहीं किया गया। इससे राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन की सेहत पर तो कोई असर नहीं हुआ, लेकिन चीन इससे आगबबूला हो गया। चीन की सरकार ने अमेरिकी लोकतंत्र का मजाक उड़ाते हुए दावा किया कि वास्तविक लोकतंत्र तो चीन में है। सम्मेलन में पाकिस्तान को भी न्योता दिया गया था, लेकिन उसने चीन के दबाव के सामने घुटने टेकते हुए सम्मेलन में भाग नहीं लिया। बाइडेन और पश्चिमी देशों के नेता चीन को लोकतंत्र के डंडे से पीटना चाहते हैं। इनका यह अभियान बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक को लेकर भी जारी रहेगा। कनाडा पहला देश है जिसने हांगकांग, शिजियांग और ताइवान के बारे में चीन के रवैये का विरोध करते हुए इन खेलों के बहिष्कार की घोषणा की है। पूर्वी लद्दाख में चीन के आक्रामक तेवरों के बावजूद भारत ने इन खेलों के आयोजन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है। वास्तव में भारत चीन के संबंध में अलग-अलग दो रणनीति अपना रहा है। पूर्वी लद्दाख में जवाबी सैन्य तैनाती कर ऊसने चीन को साफ संदेश दिया है कि वह चीन की दादागिरी सहन नहीं करेगा, लेकिन इसके साथ ही वह बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में चीन की भूमिका को नकार भी नहीं रहा है। कोरोना के बाद अर्थव्यवस्था की बहाली में भी चीन के महत्त्व को भारत स्वीकार करता है। यही कारण है कि सैन्य तनाव के बावजूद वह भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है।

बदलनी होगी स्वास्थ्य नीति से जुड़ी सोच

अश्विनी शर्मा

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का एक ताजा अध्ययन बताता है कि यदि हम पैकेज्ड खाने में 20 फीसदी और पेय पदार्थों (बेवरेज) में 40 प्रतिशत शुगर कंटेंट कम कर दें, तो दिल से संबंधित 2.48 लाख बीमारियों के मरीज को कम कर सकते हैं। इससे मधुमेह के 7.5 लाख मरीजों की संख्या कम की जा सकती है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अमेरिका ऐसा करके अगले 10 साल में स्वास्थ्य क्षेत्र में 4.28 अरब डॉलर बचाएगा। अमेरिकी स्वास्थ्य नीति में क्यूरेटिव के साथ प्रिवेंटिव अप्रोच भी जुड़ते जा रहे हैं। दुनिया के किसी भी देश का स्वास्थ्य क्षेत्र तीन अप्रोच पर काम करता है-प्रिवेंटिव, क्यूरेटिव और प्रोमोटिव। प्रिवेंटिव का मतलब है बीमारियों की रोकथाम का अप्रोच, क्यूरेटिव का अर्थ है, यदि बीमारी हो जाए, तो उसका इलाज और प्रोमोटिव का मतलब है कि जो व्यक्ति स्वस्थ है, उसे स्वस्थ बनाए रखा जाए।

भारत के लिए इस अध्ययन और अमेरिका की स्वास्थ्य नीति में बदलाव के बड़े मायने हैं। हमारे देश में 40 फीसदी बीमारियां दूषित जल पीने, साफ-सफाई के अभाव और कुपोषण से फैलती हैं, जिनमें मलेरिया, डायरिया हैजा, माहवारी संबंधी इनफेक्शन, नवजात शिशु और गर्भवती महिलाओं से संबंधित बीमारियां शामिल हैं। ये प्राणघातक बीमारियां हैं। 30 फीसदी बीमारियां गलत जीवन शैली के कारण होती हैं, जिनमें मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, तनाव, अस्थमा और मेटाबोलिक सिंड्रोम आदि शामिल हैं। जबकि शेष बची 30 फीसदी में किडनी, दिल आदि से जुड़ी बीमारियां शामिल हैं।

मेडिकल जर्नल लैंसेट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर वर्ष मलेरिया से दो लाख मौत होती है। यूनिसेफ के अनुसार, दुनिया भर में रोज करीब 800 महिलाओं की गर्भावस्था और प्रसव के दौरान मौत हो जाती है, जिनमें से 20 फीसदी महिलाएं भारत की होती हैं। संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी एक संस्था की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2017 में भारत में आठ लाख बच्चों की मौत हुई, यानी हर मिनट में तीन मौत। हर साल अकेले डायरिया से 1.2 लाख बच्चे मारे जाते हैं। नवजात बच्चों की सबसे अधिक मौत भारत में होती है।

अक्सर कहा जाता है कि भारत में डॉक्टरों की संख्या कम है। जर्मनी में प्रति हजार लोगों पर 4.3 , स्पेन में 3.9, अमेरिका में 2.9, ऑस्ट्रेलिया में 3.7 और ब्रिटेन में 2.9 डॉक्टर हैं। जबकि भारत में यह आंकड़ा 0.8 है। अपने यहां 11 लाख से ज्यादा एमबीबीएस डॉक्टर प्रैक्टिस करते हैं। साथ ही, 6.3 लाख आयुष डॉक्टर भी हैं। यहां दिक्कत अप्रोच में है। यदि डॉक्टरों की संख्या 22 लाख भी होगी, तो समस्या वही रहेगी। हमारे यहां स्वास्थ्य ढांचा तीन स्तरों पर काम करता है। प्रथम स्तर पर गांव में एक उप सहायता केंद्र होता है, जहां एएनएम की ड्यूटी रहती है, जो गांव में टीकाकरण आदि का काम संभालती है।

वहां एक प्राथमिक चिकित्सा केंद्र होता है, जहां एमबीबीएस और आयुष डॉक्टर,नर्स, खून जांच करने की प्रयोगशाला, लैब तकनीशियन, फार्मासिस्ट और 249 तरह की जरूरी दवाएं उपलब्ध होती हैं। ऐसे अस्पतालों में चार से छह बेड होते हैं। यहां उन 40 फीसदी बीमारियों का इलाज किया जा सकता है, जो गंदे पानी, साफ सफाई के अभाव व कुपोषण से फैलती हैं।

दूसरे स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा टीबी हॉस्पिटल आते हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र 30 बेड का मिनी अस्पताल होता है, जहां नौ विशेषज्ञ डॉक्टर होते हैं। यहां पर सभी जरूरी जांच सुविधा और 369 प्रकार की जरूरी दवाएं हर समय मौजूद रहती हैं। यहां जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों का इलाज किया जा सकता है। जबकि तीसरे स्तर पर जिला अस्पताल आते हैं। उसके बाद मेडिकल कॉलेज हैं, जहां 556 तरह की दवाएं तथा सभी जांच सुविधाएं उपलब्ध होती हैं। यहां 30 फीसदी क्रॉनिक बीमारियों का इलाज संभव है।

हमारे लिए कुछ चीजों की जानकारी जरूरी है। पहली बात यह है कि हमारे यहां स्वास्थ्य सेवा के ढांचे में कोई कमी नहीं है। ऐसे में, स्वास्थ्य से जुड़े तीनों अप्रोच यहां कारगर हो सकते हैं। दरअसल बिना सही पोषण के इम्युनिटी नहीं बनेगी और बगैर इम्युनिटी के रोग से लड़ाई संभव नहीं है। चिकित्सा के क्षेत्र में क्यूरेटिव अप्रोच अकेला कुछ नहीं कर सकता, जब तक कि उसमें प्रिवेंटिव और प्रोमोटिव अप्रोच को शामिल नहीं किया जाए।

दूसरी बात यह कि हमें प्राथमिक सेवा को दुरुस्त करना होगा। इसके लिए सूची में शामिल सभी जरूरी दवाओं व खून की जांच की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। तीसरी बात, व्यक्ति के स्वास्थ्य बजट का बड़ा हिस्सा दवाओं तथा जांच पर खर्च होता है।

यदि सरकार दवा कंपनी से सीधे दवा खरीदे, तो वह सस्ती मिल जाएगी। इससे दवा कंपनियों को कोई नुकसान नहीं है। तमिलनाडु की सरकार सीधे दवा कंपनियों से दवा खरीदती है। चौथी बात, मोटापा, उच्च रक्तचाप और तनाव का मुख्य कारण जंक फूड व खराब जीवन शैली है।

इस मामले में यदि हम प्रिवेंटिव और प्रोमोटिव अप्रोच पर काम करें, तो मानव संसाधन, बजट और काम के घंटे बचा सकते हैं। पांचवीं बात यह कि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा दुरुस्त रहने से ही स्वास्थ्य सेवा ठीक रहेगी। स्वास्थ्य सेवा के शीर्ष केंद्र अगर मधुमेह और बुखार से ही लड़ते रहेंगे, तो हम स्वास्थ्य शोध के क्षेत्र में नया क्या करेंगे ? छठी बात यह कि बीमारी पर केंद्रित होने के बजाय हमें लोगों के

स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। और आखिरी बात यह कि हमें स्वास्थ्य क्षेत्र में सांस्कृतिक तत्वों को भी समझना होगा।

जैसे हमारी भोजन संबंधी संस्कृति में कार्बोहाइड्रेट ओर वसा को वरीयता दी जाती है। त्योहारों पर अधिक मीठा व वसायुक्त खाने का चलन इसी का परिणाम है।

पत्रकारों और पत्रकारिता का सम्मान

किंशुक पाठक

पत्रकारिता और पत्रकारों के लिए यह गौरव का क्षण है। पारंपरिक रूप से पत्रकारिता को नोबल प्रोफेशन के रूप में परिभाषित किया गया है। इसी नोबेल प्रोफेशन से जुड़े दो पत्रकारों को इस साल 2021 का शांति का नोबेल पुरस्कार दिया जाना ऐतिहासिक घटना है। इससे यह मान्यता और पुष्ट हुई है कि लोकतंत्र के एक मजबूत स्तंभ के रूप में मीडिया और मीडियाकर्म का अलग महत्व है और समाज इसकी अनदेखी नहीं कर सकता। शांति के लिए चुनौती भरे क्षेत्र में पत्रकारों की भूमिका के प्रति यह वैश्विक सम्मान है। नोबेल के लिए चयनित दोनों पत्रकारों की पृष्ठभूमि फिलीपींस तथा रूस में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रति अदम्य संघर्ष की रही है। नोबेल पुरस्कारों के प्रारंभ-वर्ष 1901 से लेकर अब तक दूसरी बार किसी पत्रकार को यह सम्मान दिया गया है। 1935 में जर्मन पत्रकार कार्ल वान ओसीत्जकी को नोबेल मिला था। वैसे 1915 में भी रूसी पत्रकार-लेखिका स्वेतलाना अलेक्साई विच को साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए साहित्य का नोबेल प्रदान किया गया था।

यह ऐतिहासिक अवसर है, जब इस साल दो पत्रकारों को नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया है। नोबेल कमेटी द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, जो लोकतंत्र की आवश्यक शर्त है तथा स्थायी शांति की मूलभूत आवश्यकता है, की रक्षा के लिए 58 वर्षीय फिलीपींस की पत्रकार मारिया एंजेलिना रेसा और रूस के दिमित्री मुरातोव का चयन पत्रकारिता क्षेत्र के लिए गर्व और गौरव का विषय है। मारिया ने खोजी पत्रकारिता की अपनी वेबसाइट रैपलर के माध्यम से फिलीपींस के राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेरते के विवादास्पद तथा हिंसक प्रहार के उपक्रमों को अपने पत्रकारिता अभियान का मुख्य विषय बनाया। अपनी वेबसाइट के बंद हो जाने तक के खतरों से जूझती मारिया का पत्रकारिता का जुनून एक आदर्श है और वह कहती हैं - मैं सत्य और तथ्य पर आधारित पत्रकारिता के लिए संघर्ष करती रहूंगी।

मारिया ने अपनी वेबसाइट रैपलर के माध्यम से प्रमाणों के साथ यह उद्घाटित किया कि फेक न्यूज के प्रसार के लिए उनके देश में किस प्रकार सोशल मीडिया का दुरुपयोग किया जा रहा है, विरोधियों के दमन का प्रयास किया जा रहा है और जनता में भ्रम फैलाया जा रहा है। मारिया ने पुरस्कार की घोषणा के बाद अपनी प्रतिक्रिया में जो कहा वह आज भी प्रासंगिक है - प्रारंभ से अब तक पत्रकारिता की कभी इतनी महत्वपूर्ण भूमिका नहीं रही, जितनी वर्तमान में है। लोकतंत्र के रखवालों की पत्रकारों की भूमिका का क्षरण हुआ है और तकनीकी विकास ने पत्रकारिता और पत्रकारों की शक्ति को क्षीण किया है। आज आवश्यकता है कि विश्व के सभी देश अपसूचना (मिसइन्फार्मेशन) के दौर को रोकने के लिए एकजुट होकर कार्य करें।

फिलीपींस देश की प्रथम नोबेल विजेता मारिया दक्षिण पूर्व एशिया मनीला में सी.एन.एन. के प्रमुख खोजी रिपोर्टर के रूप में भी लंबे अरसे तक कार्यरत रह चुकी हैं और फिलीपींस में सरकारी दमन के क्रम में जेल की सजा भी भुगत चुकी हैं पर उनका हौसला सत्य के पक्ष में अब भी बुलंद है। मारिया ने अपनी ऑनलाइन समाचार साइट के माध्यम से फिलीपींस के आधिकारिक सरकारी ट्रोल आर्मी-फेक न्यूज अभियान की बखिया उधेड़ कर रख दी। दूसरे नोबेल विजेता रूसी पत्रकार, टेलीविजन कार्यक्रम प्रस्तुतकर्ता 60 वर्षीय दिमित्री मुरातोव का पत्रकारिता जीवन का सफर लंबा रहा है।

उन्होंने 1993 में रूस में लोकतंत्र समर्थक रूसी भाषा का पत्र नोवोया गजेटा प्रारंभ किया और इसके प्रधान संपादक रहे। देश में मानवाधिकार के उल्लंघन और भ्रष्टाचार के विरोध के लिए अपने पत्र को मुखर रूप में जनता के समक्ष प्रस्तुत किया। रूस में एक मुखर लोकतंत्र समर्थक-स्वतंत्र पत्र के प्रधान संपादक की उनकी छवि को देश में असीम सम्मान मिला। विश्व के विभिन्न देशों में विपरीत परिस्थितियों में भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और इसकी रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले दोनों ही नोबेल सम्मानित पत्रकारों का जीवन मिशनरी यानी समर्पण की पत्रकारिता का अनूठा उदाहरण है।

मोक्षदा एकादशीः इस व्रत के प्रभाव से पूर्वजों को होती है मोक्ष की प्राप्ति

हर वर्ष मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मोक्षदा एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना कर उपवास रखा जाता है। मोक्ष की प्रार्थना के लिए यह एकादशी मनाई जाती है। मोक्षदा एकादशी और गीता जयंती एक दिन ही पड़ती है। इस दिन भगवान कृष्ण ने महाभारत में अर्जुन को भगवद गीता का उपदेश दिया था।

माना जाता है कि इस दिन उपवास रखने और भगवान कृष्ण की पूजा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है और पूर्वजों को स्वर्ग तक पहुंचने में मदद मिलती है। मोक्षदा एकादशी की तुलना मणि चिंतामणि से की जाती है, मान्यता है कि इस दिन पूजा-अर्चना करने और उपवास रखने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस साल मोक्षदा एकादशी 14 दिसंबर को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मोक्षदा एकादशी के दिन व्रत के प्रभाव से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। व्रतियों के सभी पापों का नाश होता है और उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। हिन्दू पंचांग के अनुसार प्रत्येक माह की 11वीं तिथि को एकादशी कहते हैं। एकादशी को भगवान विष्णु को समर्पित एक दिन माना जाता है। एक महीने में दो पक्ष होने के कारण दो एकादशी आती हैं, एक शुक्ल पक्ष की और दूसरी कृष्ण पक्ष की। इस प्रकार, एक वर्ष में कम से कम 24 एकादशी हो सकती हैं, लेकिन अधिक मास (अतिरिक्त महीने) के मामले में यह संख्या 26 भी हो सकती है।

मोक्षदा एकादशी का मुहूर्त

इस वर्ष मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का प्रारंभ 13 दिसंबर दिन सोमवार को रात 09 बजकर 32 मिनट से हो रहा है.एकादशी तिथि अगले दिन 14 दिसंबर को रात 11 बजकर 35 मिनट तक है। व्रत के लिए उदयातिथि ही मान्य होती है, इसलिए मोक्षदा एकादशी का व्रत 14 दिसंबर दिन मंगलवार को रखा जाएगा।

एकादशी तिथि प्रारंभः 13 दिसंबर, रात्रि 9ः 32 बजे से
एकादशी तिथि समाप्तः 14 दिसंबर रात्रि 11ः35 बजे पर
व्रत का पारणः 15 दिसंबर सुबह 07ः05 बजे से प्रातः 09ः 09 बजे तक

मोक्षदा एकादशी का महत्व

मोक्षदा एकादशी का अर्थ है मोक्ष प्रदान करने वाली एकादशी। इस एकादशी का उपवास करने से व्यक्ति को मृत्यु के बाद मोक्ष प्राप्त होता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अजुर्न को गीता का उपदेश दिया था, इसलिए मोक्षदा एकादशी का महत्व और बढ़ जाता है।

व्रत विधि

- ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नानादि के बाद घर और पूजा के स्थान की सफाई करें
- घर के मंदिर में भगवान को गंगाजल से स्नान कराएं और उन्हें वस्त्र अर्पित करें।
- भगवान को रोली और अक्षत का तिलक लगाकर भोगसवरूप फल आदि अर्पित करें।
- इसके बाद नियमानुसार भगवान की पूजा अर्चन कर उपवास आरंभ करें।

मोक्षदा एकादशी व्रत रखने के 2 फायदे

मोक्षदा एकादशी का मतलब मोक्ष देने वाला एकदशी। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार मार्गशीर्ष के कृष्ण पक्ष में उत्पन्ना एवं शुक्ल पक्ष में मोक्षदा एकादशी का व्रत रखा जाता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार 14 दिसंबर मंगलवार को है मोक्षदा एकादशी।

मोक्षदा एकादशी व्रत रखने के फायदे

- द्वापर युग में इसी दिन भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में गीता ज्ञान दिया था। अतः इस दिन गीता जयंती भी मनाई जाती है। इस साल गीता जयंती की 5158वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी।
- मोक्षदा एकादशी मोक्ष देने वाली होती है। विधिवत इसका व्रत रखने से देवता और पितर तृप्त होते हैं।
- मोक्षदा एकादशी के दिन व्रत रखकर गीता पाठ करना या श्रीकृष्ण की आराधना करने से उत्तम फल की प्राप्ति होती है और सभी तरह की मनोकामना पूर्ण होती है।

मोक्षदा एकादशी व्रत की पूजा विधि

- मोक्षदा एकादशी का व्रत का प्रारंभ दशमी तिथि को दोपहर के भोजन के बाद ही शुरु हो जाता है। रात्रि का भोजन नहीं किया जाता है।
- दूसरे दिन प्रातः काल उठकर स्नान करने के बाद व्रत का संकल्प लिया जाता है।
- व्रत संकल्प के बाद भगवान विष्णु के साथ ही श्रीकृष्ण, महर्षि वेद व्यास और श्रीमद् भागवत गीता को पूजा स्थल पर एक अच्छे से पाट पर विधिवत रूप से स्थापित कर लें।
- अब षोडशोपचार पूजन करें अर्थात 1.पाद्य 2.अर्घ्य 3.आचमन 4.स्नान 5.वस्त्र 6.आभूषण 7.गन्ध 8.पुष्प 9.धूप 10.दीप 11.नैवेद्य 12.आचमन 13.ताम्बूल 14.स्तवन पाठ 15.तर्पण और 16.नमस्कार करें। इसी तरह से रात्रि में भी पूजा और जागरण करें।
- दूसरे दिन पूजन और पारण के बाद जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन और दान-दक्षिणा दें और उसके बाद भोजन ग्रहण करें।

सूर्य देव करते हैं यहां नरसिंह भगवान का अभिषेक

विष्णु भगवान के पांचवें अवतार नरसिंह के मंदिर यूं तो देश भर में कई जगह हैं, लेकिन राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खंडेला का नरसिंह मंदिर कई मायने में अनोखा है। इस मंदिर की पहली खासियत यह है कि यहां स्थित मूर्ति में नरसिंह अपने उस विकराल स्वरूप में नजर आते हैं, जिसमें वह अपनी जंघा पर हिरण्यकश्यपु का वध कर रहे हैं। दूसरी और बड़ी खासियत यह है कि छह सौ से भी अधिक वर्ष पहले चतुर शिल्पियों ने इस मंदिर का निर्माण इस प्रकार किया था कि उत्तरायण और दक्षिणायण में सूर्य की पहली किरणें नरसिंह भगवान पर पड़ती हैं।

इस मंदिर के बारे में प्रचलित कथा के अनुसार, तेरहवीं शताब्दी में अलवर से यहां आकर बसे खंडेलवाल वैश्य राजाराम चौधरी के तीन पुत्रों में से एक चाढ़ बचपन से ही धार्मिक प्रवृत्ति के थे और नरसिंह भगवान को अपना इष्ट मानते थे। एक बार दक्षिण भारत से खंडेला में आए साधु-संतों ने उनकी सेवा से प्रसन्न होकर उन्हें आशीर्वाद दिया कि जल्द ही उन्हें अपने इष्ट के दर्शन होंगे। कुछ दिन बाद नरसिंह भगवान ने उनके सपने में आकर एक जगह दबी हुई अपनी मूर्ति के बारे में बताया। चाढ़ ने उस जगह जाकर खुदाई करवाई और वर्ष 1382 में नरसिंह जयंती यानी वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी के दिन प्राप्त हुई उस मूर्ति को निकलवा कर अपनी हवेली में स्थापित करवा दिया। खुदाई वाली जगह पर उन्होंने एक तालाब बनवा दिया, जिसे आज भी चाढ़ोड़ा के नाम से जाना जाता है। राजा दलपत सिंह ने इस मंदिर का निर्माण कार्य आरम्भ करवाया और आखिर वर्ष 1387 में नरसिंह जयंती के दिन वह मूर्ति इस मंदिर में स्थापित की गई।

इस बेहद सादगीपूर्ण मंदिर में शेखवाटी क्षेत्र में प्रसिद्ध रंगीन भित्तिचित्र भी देखने लायक हैं। इस मंदिर में नारियल बांध कर मनौती मानने की प्रथा है, जिसके पूर्ण होने पर लोग यहां आकर प्रसाद चढ़ाते हैं। प्रतिवर्ष नरसिंह जयंती के अवसर पर उत्सव, भंडारा आदि होता है। खंडेलवाल वैश्यों का मूल स्थान होने के कारण देश-विदेश में बसे खंडेलवाल वैश्य अकसर किसी मांगलिक कार्य के लिए यहां आते रहते हैं। इसके अतिरिक्त खंडेला भ्रमण के लिए आने वाले पर्यटक भी यहां अवश्य आते हैं। ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहां से पूरे खंडेला का मोहक दृश्य दिखता है।

कॉर्नर का है मकान तो होंगे 5 नुकसान

लाल किताब मानती है कि यदि मकान अच्छी जगह है तो खराब ग्रह भी अच्छे फल देने लगते हैं और यदि मकान खराब जगह है तो अच्छे ग्रह भी बुरा फल देने लगते हैं। इस बार जानिए कि कोने के मकान के क्या हो सकते हैं 5 नुकसान और इससे बचने के क्या हो सकते हैं उपाय।

कोने का मकान ः यदि तीन तरफ मकान एक तरफ खुला या तीन तरफ खुला हुआ और एक तरफ कोई साथी मकान या खुद उस मकान में तीन तरफ खुला होगा तो यह केतु का मकान होगा। केतु के मकान में नर संतानें लड़के चाहे पोते हों लेकिन कुल तीन ही होंगे।

नकारात्मक ऊर्जा

कोने के मकान को केतु का मकान माना जाता है। केतु ग्रह नकारात्मक ग्रह है। कोने के मकान में तीन ओर रास्ते होते हैं जहां पर लोगों का आना जाना तो लगा ही रहता है साथ ही वहां रुककर बातें करना भी लगा रहता जिसके चलते घर में रहने वाले लोग परेशान रहते हैं।

अचानक होने वाली अच्छी और बुरी घटना का मकान

केतु का मकान यह अच्छा भी हो सकता है और खराब भी। अर्थात जो कुछ भी होगा अचानक ही होगा। खिड़कियां, दरवाजे, बुरी हवा, अचानक धोखा होने का खतरा रहता है।

सबसे बुरा फल देता तब

यदि इस मकान के आसपास इमली का वृक्ष, तिल के पौधे या केले का वृक्ष है तो यह पक्के तौर पर केतु का फल देने वाला मकान होगा। इस मकान में बच्चों से संबंधित परेशानी खड़ी हो सकती है।

केतु खाना नंबर तीन

जन्मपत्रिका के भाव 3 में केतु हो तो जातक को दक्षिणामुखी घर में नहीं रहना चाहिए। रहेगा तो बर्बाद हो जाएगा।

घर के अंदर के कोने

आठ कोने के मकान लंबी बीमारी, मुसीबत और मृत्यु को दर्शाता है। शनि अष्टम में होने के संकेत। 18 कोने के मकान है तो धन की हानि, विवाह का नहीं होना। विवाह हो जाए तो विधुर-विधवा योग बनते हैं। इसी तरह 3 और 13 कोने वाला मकान साजिश में बर्बादी को दर्शाता है। 5 कोने वाला मकान संतान की बर्बादी।

कॉर्नर के मकान के नुकसान बचने के उपाय

- यदि मकान के दोनों कोने काटने वाला मार्ग मकान की ओर आता हो तो धन की हानि होगी। यदि मार्ग दाहिनी ओर से घर में आता हो तो महिलाओं पर और यदि मार्ग बायीं ओर से आता है तो घर के पुरुष पर घटना-दुर्घटना का संकट बना रहेगा। इसके उपाय के तौर पर घर का मुख्यद्वार किसी कोने में बनाएं और उसके उपर लाल रंग का झण्डा लगाएं तथा घर के राजमार्ग वाली दीवार पर कांच लगाएं।
- यदि कोई मकान एल सेप में, सड़क के दायीं ओर के मोड़ पर स्थित हो तो इससे घर में रहने वाले व्यक्तियों के करियर में बाधा उत्पन्न होती है और घर के मुखिया की दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ऐसे में उपाय के दौर पर मुख्यद्वार को घर के मध्य में न बनाकर एक कोने में बनाएं और एक अष्टकोणीय दर्पण रोड की दीवार की तरफ लगाएं।
- यदि कोई मकान आधे चंद्रमा की तरह घेरे में हो तो ऐसे घर में रहने वाले व्यक्तियों को आर्थिक विषमताओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उपाय के तौर पर छोटी झाड़ियां मुख्यद्वार और अर्धचंद्राकार के मध्य में लगाएं।
- दो मार्ग - शेप में यदि मकान की ओर आते हों तो करियर और सेहत पर इसका बुरी असर होता है। उपाय के तौर पर घर के मुख्यद्वार को राजमार्ग से बचाकर एक कोने में बनाएं। सड़क साइड वाले दरवाजे पर छोटी चहारदीवारी बनाएं या छोटे-छोटे पौंधो व झाड़ियों का घेरा भी बना सकते हैं। घर में यदि दो दरवाजे हो तो दोनों को एक साथ न खोलें। एक ओपन तो एक क्लोज रखें।
- यदि मकान सही दिशा में नहीं है तो उसे छोड़ देना ही सबसे बड़ा उपाय है। मकान सही दिशा में हैं तो जिधर कोने खुले हैं वहां की खिड़कियां और दरवाजें किसी वास्तु शास्त्री के अनुसार ही निर्मित कराएं या उस ओर खिड़की दरवाजे न हो तो ही अच्छा।

16 दिसंबर को सूर्य के राशि परिवर्तन के साथ ही बंद होंगे मांगलिक कार्य

16 दिसंबर, बुधवार की सुबह करीब 4 बजे सूर्य धनु राशि में प्रवेश करेगा। सूर्य के इस राशि परिवर्तन से सामान्य काम कर के जीवनयापन कर रहे लोगों को शुभ फल मिलेगा।

साल में 2 बार सूर्य बृहस्पति की राशि में आते हैं और एक महीने के लिए रहते हैं। 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक धनु और 15 मार्च से 15 अप्रैल तक मीन राशि में सूर्य विचरण करते हैं। जब सूर्य और बृहस्पति का संयोग बनता है तो 2 महीनों में किसी भी तरह के मांगलिक काज नहीं किए जाते हैं।

- 16 दिसंबर को सूर्य के धनु राशि में जाते ही खरमास शुरू हो जाएगा। खरमास के लगते ही मांगलिक कार्यों पर एक बार फिर रोक लग जाएगी। एक माह तक कोई भी मांगलिक कार्य नहीं होंगे।
- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार खरमास में सभी प्रकार के शुभ कार्य जैसे विवाह, मुंडन, सगाई, गृहप्रवेश के साथ व्रतारंभ एवं व्रत उद्यापन आदि वर्जित होते हैं।
- सूर्यदेव एक राशि में एक माह तक रहते हैं। इसके बाद ये राशि परिवर्तन करते हैं जिसे संक्रांति कहते हैं जिस भी राशि में सूर्य जाते हैं उसी राशि के नाम से संक्रांति जानी जाती है।
- ऐसे ही जब सूर्यदेव धनु राशि में प्रवेश करते हैं तब खरमास लगता है। मीन संक्रांति होने पर भी खरमास लगता है।
- सूर्य जब-जब गुरु की राशि यानी धनु राशि में रहता है तब तक खरमास माना जाता है। इस समय मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं।
- खरमास में मांगलिक कार्यों के संपन्न नहीं होने का एक वैज्ञानिक आधार भी है। सूर्य जब गुरु की राशि धनु और मीन में प्रवेश करता है तो इससे गुरु निस्तेज हो जाते हैं, उनका प्रभाव समाप्त हो जाता है। शुभ कार्यों के लिए गुरु का पूर्ण बलशाली अवस्था में होना आवश्यक है। इसलिए इस एक माह के दौरान शुभ कार्य करना वर्जित रहता है। खासकर विवाह तो बिल्कुल नहीं किए जाते हैं क्योंकि विवाह के लिए सूर्य और गुरु दोनों को मजबूत होना चाहिए।

सूर्य के राशि परिवर्तन को संक्रांति कहा जाता है। धनु राशि में सूर्य के प्रवेश करते ही खरमास आरंभ हो जाएगा। इस माह में मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। 16 दिसंबर की सुबह सूर्य धनु राशि में प्रवेश करेंगे इसे धनु संक्रांति कहा जाएगा। ये देवगुरु बृहस्पति की राशि है। धनु राशि में सूर्य के आ जाने से मौसम में बदलाव होंगे, जिससे देश के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। जिससे ठंड भी बढ़ सकती है। इस राशि में सूर्य 15 जनवरी तक विराजमान रहेंगे।

एक माह बाद मकर राशि में

सूर्य एक माह बाद मकर राशि में प्रवेश करेगा। इस खास दिन को मकर संक्रांति पर्व मनाया जाता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करके दान किया जाता है। इस दिन से उत्तरायण प्रारंभ होता है, यानी सूर्य अगले 6 महीने के लिए उत्तरायण होता है। जिसे देवताओं का दिन कहा गया है। विवाह सहित समस्त शुभ कार्य इस दिन से प्रारंभ हो जाते हैं।

भगवान विष्णु का पूजन

खरमास के प्रतिनिधि आराध्य देव भगवान विष्णु हैं। इसलिए इस माह के दौरान भगवान विष्णु की पूजा नियमित रूप से करना चाहिए। खरमास में आने वाली दोनों एकादशियों का भी विशेष महत्व होता है। इनमें व्रत रखकर विधि -विधान से भगवान विष्णु का पूजन करने से समस्त सुखों की प्राप्ति होती है। इस मास में प्रतिदिन स्नानादि से निवृत होकर भगवान विष्णु के मंत्र ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय नमः का तुलसी की माला से जाप करें। इस दौरान पीपल के वृक्ष में नियमित जल और कच्चा दूध अर्पित करने से धन-सुख, वैभव की प्राप्ति होती है। दान, पुण्य, जप और भगवान का ध्यान लगाने से कष्ट दूर हो जाते हैं।

वैज्ञानिक पक्ष

सूर्य की तरह गुरु ग्रह में भी हाइड्रोजन और हीलियम की उपस्थिति है। सूर्य की तरह इसका केंद्र भी द्रव्य से भरा हुआ है, जिसमें अधिकतर हाइड्रोजन ही है। पृथ्वी से 15 करोड़ किलोमीटर दूर स्थित सूर्य तथा 64 करोड़ किलोमीटर दूर स्थित बृहस्पति ग्रह में वर्ष में एक बार ऐसे जमाव में आते हैं जिनकी वजह से बृहस्पति के कण काफी मात्रा में पृथ्वी के वायुमंडल में पहुंचते हैं। ये कण एक-दूसरे की कक्षा में आकर अपनी किरणों को आंदोलित करते हैं। उक्त कारण से व्यक्ति की मानसिक स्थिति में भी परिवर्तन आता है, जिससे मांगलिक कार्यों में व्यवधान संभावित है। इसी कारण से मंगल कर्म करना निषेध हैं। धनु संक्रांति के दिन भगवान सत्यनारायण की कथा का पाठ किया जाता है। भगवान विष्णु की पूजा में केले के पत्ते, फल, सुपारी, पंचामृत, तुलसी, मेवा आदि का भोग तैयार किया जाता है। सत्यनारायण की कथा के बाद देवी लक्ष्मी, महादेव और ब्रह्मा जी की आरती की जाती है और चरणामृत का प्रसाद दिया जाता है। जो लोग विधि के साथ पूजन करते हैं उनके सभी संकट दूर होते हैं और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

स्टील की कीमतों में गिरावट

कंस्ट्रक्शन और ऑटो इंडस्ट्री को मिलेगी राहत, तीन हजार रु. प्रति टन तक घटेंगी कीमतें

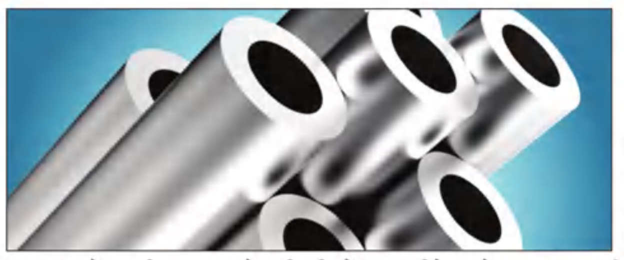

नई दिल्ली। काफी समय से ऑटोमोबाइल और कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री के लिए परेशानी का सबब रही स्टील की ऊंची कीमतें नरम पड़ने लगी हैं। स्टील तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले दो प्रमुख कच्चे माल आयरन ओर और कोकिंग कोल के दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार में घटने से यह राहत मिली है। बीते एक महीने में स्टील के दाम करीब तीन हजार रुपए प्रति टन घट गए हैं।

आगामी महीनों में दाम तीन हजार रुपए प्रति टन तक और घट सकते हैं। अक्टूबर में अंतरराष्ट्रीय बाजार में आयरन ओर 228 डॉलर प्रति टन था, जो अब 103 डॉलर प्रति टन रह गया है। देश में भी आयरन ओर की कीमतें एक महीने पहले के 12500 रुपए के मुकाबले 11500 रुपए प्रति टन रह गई हैं। कोकिंग कोल के दामों में भी कमी आई है। अक्टूबर में 390 डॉलर प्रति टन बिक रहे कोकिंग कोल की कीमतें 20 फीसदी घटकर 320 डॉलर प्रति टन रह गई हैं। जिंदल स्टील एंड पावर के एमडी वीआर शर्मा ने कहा कि चीन में इस समय बिजली का संकट है। इसलिए वहां आयरन ओर की डिमांड कम है। इससे आयरन ओर और कोकिंग कोल की कीमतों में कमी आई है। कंपनी ने स्टील की कीमतों में 1500 रुपए प्रति टन की कमी कर दी है। एनसीडीईएक्स में स्पॉट स्टील की कीमतें 44000 रुपए प्रति टन पर आ गई हैं, जो एक महीने पहले 49300 रुपए प्रति टन थीं।

कार में 39 फीसदी रियल्टी में 15 फीसदी लागत स्टील की

स्टील का सबसे अधिक इस्तेमाल ऑटोमोबाइल और कंस्ट्रक्शन में किया जाता है। एक कार में स्टील की हिस्सेदारी औसतन 39 फीसदी होती है। पुल के निर्माण में स्टील का इस्तेमाल 25 फीसदी और इमारत निर्माण में 15 फीसदी स्टील इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में स्टील की कीमतों में कमी से इन दोनों सेक्टरों को बड़ी राहत मिलेगी।

आयरन ओर के दाम में कमी के कारण

दुनियाभर से कोयले की सप्लाई बढ़ी है। कई एशियाई देशों ने खरीद घटाई। चीन ने अपने यहां कोयले के खनन पर लगी रोक हटा ली है। बिजली संकट की वजह से चीन में स्टील प्रोडक्शन में कमी आई है, इससे दुनिया में आयरन ओर की मांग घटी और कीमतों में कमी आई।

स्टील उद्योग को कार्बन उत्सर्जन में कटौती के लिए सरकारी समर्थन की जरूरत

ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में बड़ा योगदान देने वाले स्टील उद्योग को कार्बन उत्सर्जन में कटौती के लिए एकदम नया नजरिया अपनाने के साथ सरकारी समर्थन की भी जरूरत है। जेएसडब्ल्यू स्टील के प्रमुख सज्जन जिंदल ने कहा कि उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर स्टील विनिर्माता निम्न कार्बन वाले स्टील का उत्पादन कर सकते हैं लेकिन इस पर आने वाली भारी लागत को देखते हुए सरकार को एक सुव्यवस्थित नीति लेकर आना चाहिए। उन्होंने कहा, स्टील उद्योग दुनिया के औद्योगिक उत्पादन में 0.7 प्रतिशत योगदान देता है लेकिन गैसों के उत्सर्जन में इसका अंशदान सात प्रतिशत है। इसे बदलने की जरूरत है और यह बदलाव जल्द करना होगा। कार्बन उत्सर्जन में कटौती के लिए स्टील कारखानों को तकनीकी रूप से उन्नत करना होगा। यह पहल उद्योग के स्तर पर की जाने के साथ ही नीतिगत स्तर पर भी करनी होगी। जिंदल ने कहा कि इसके लिए एकदम नए एवं रूपांतरकारी नजरिये की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पूरी तरह हरित स्टील उत्पादन हो पाना अभी एक दशक दूर लग रहा है लेकिन इस संक्रमण काल में स्वच्छ हाइड्रोजन का सहारा लिया जा सकता है। उन्होंने पुराने स्टील उत्पादन संयंत्रों को तिलांजलि देकर नए संयंत्रों की स्थापना पर आने वाली ऊंची पूंजी लागत को इस दिशा में एक बड़ा व्यवधान बताया। इसके लिए उन्होंने सरकार से समुचित नीति लाने का अनुरोध किया।

बैंक जमा राशि बीमा कार्यक्रम को आज करेंगे सम्बोधित प्रधानमंत्री

वित्तमंत्री व आरबीआई गवर्नर रहेंगे मौजूद

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज दोपहर जमाकर्ता प्रथमः पांच लाख रुपए तक के समयबद्ध जमा राशि बीमा भुगतान की गारंटी विषयक समारोह को सम्बोधित करेंगे। राजधानी के विज्ञान भवन में आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वित्त राज्यमंत्री और भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास भी उपस्थित रहेंगे।

जमा राशि बीमा के दायरे में भारत में कार्यरत सभी वाणिज्यिक बैंकों में सभी तरह की जमा-धनराशियों जैसे बचत, फिक्स्ड, चालू, सावधि जमा आदि को शामिल किया गया है। राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यरत राज्य, केंद्रीय और प्राथमिक सहकारी बैंकों को भी इसके दायरे में रखा गया है। इस अभिनव सुधार के तहत बैंक जमा राशि बीमा कवर को एक लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दिया गया है। प्रति जमाकर्ता, प्रति बैंक के हिसाब से पांच लाख रुपए के जमा राशि बीमा कवरेज के आधार पर पिछले वित्त वर्ष के अंत तक पूरी तरह से सुरक्षित खातों की संख्या कुल खातों की संख्या का 98.1 प्रतिशत थी, जबकि अंतर्राष्ट्रीय मानक 80 प्रतिशत है। अंतरिम भुगतान का पहला भाग हाल ही में निपेक्ष बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम डीआईसीजीसी ने जारी किया है। यह भुगतान उन 16 शहरी सहकारी बैंकों के जमाकर्ताओं के दावों के आधार पर किया गया है, जिन बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रतिबंधित कर रखा है। एक लाख से अधिक जमाकर्ताओं ने दावे किये थे। उनके दावों के आधार पर 1300 करोड़ रुपए की धनराशि का भुगतान उनके वैकल्पिक बैंक खातों में किया जा चुका है।

असम की ऋण क्षमता 36292 करोड़ रहेगी

नाबार्ड का अनुमान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए असम की ऋण क्षमता 36292 करोड़ रुपए रहने का अनुमान लगाया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि असम की ऋण क्षमता में 12 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। नाबार्ड की तरफ से वित्त वर्ष 2022-23 के लिए जारी राज्य केंद्रित दस्तावेज रिपोर्ट के अनुसार, कुल अनुमानित ऋण क्षमता का लगभग 52 प्रतिशत कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए है। वही नाबार्ड का कहना है कि राज्य की ऋण क्षमता में सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम एमएसएमई क्षेत्र की 36 प्रतिशत हिस्सेदारी रहेगी। अधिकारी ने बताया कि इसके आधार पर ही वित्त वर्ष 2022-23 के लिए वित्तीय संस्थानों द्वारा प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण के लिए वार्षिक योजना तैयार की जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, कुल मिलाकर कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियों के लिए 18755 करोड़ रुपए की ऋण क्षमता का अनुमान है। वहीं एमएसएमई क्षेत्र के लिए 12952 करोड़ रुपए, असंगठित क्षेत्र के लिए 1388 करोड़ रुपए और आवास, शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों के लिए 3197 करोड़ रुपए की ऋण क्षमता का अनुमान है।

विदेशी मुद्रा भंडार घटा

1.78 अरब डॉलर घटकर 635.90 अरब डॉलर पर

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार गत 03 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 1.78 अरब डॉलर घटकर 635.90 अरब डॉलर पर आ गया। इससे पिछले सप्ताह में यह 2.71 अरब डॉलर कम होकर 637.68 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 03 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.48 अरब डॉलर घटकर 573.18 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह इस दौरान स्वर्ण भंडार 40.7 करोड़ डॉलर कम होकर 38.41 अरब डॉलर पर आ गया।आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार एसडीआर 9 करोड़ डॉलर बढ़कर 19.12 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 1.7 करोड़ डॉलर चढ़कर 5.18 अरब डॉलर पर रहा।

सेबी ने एमएफ जोखिम प्रबंधन को अप्रैल तक टाला

क्रियान्वयन की समय-सीमा एक अप्रैल 2022 तक बढ़ाई

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने म्युचुअल फंड के लिए जोखिम प्रबंधन ढांचे के क्रियान्वयन की समयसीमा एक अप्रैल 2022 तक के लिए बढ़ा दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड सेबी ने अपने एक बयान में कहा कि म्युचुअल फंड एमएफ के लिए जोखिम प्रबंधन ढांचा लागू करने की समयसीमा बढ़ाई जा रही है। पहले यह व्यवस्था एक जनवरी 2022 से ही लागू होने वाली थी। इसके साथ ही नियामक ने कहा कि खास श्रेणी की एमएफ योजनाओं का मानक तय करने वाली द्विस्तरीय संरचना भी अब नई तारीख से लागू होगी। सेबी ने म्युचुअल फंड द्वारा पूल खातों के इस्तेमाल पर दिशानिर्देश जारी करने और बीआरडीएस योजनाओं में निवेश के मानक भी तय करने की बात कही है। म्युचुअल फंड संचालित करने वाली इकाइयों के संगठन एएमएफआई से मिले प्रतिवेदनों के आधार पर सेबी ने ये सभी फैसले किए हैं। बाजार नियामक ने कहा कि म्युचुअल फंड सिर्फ लेनदेन के ही लिए पूल खातों का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये लेनदेन भी फंड स्तर पर ही होने चाहिए। हालांकि इसके लिए फंड हाउस को नियामकीय मंजूरी लेनी होगी।

बाजार समीक्षा पाम खेती का 58 फीसदी संभावित रकबा 5 राज्यों में

सरकार द्वारा पाम उत्पादन को बढ़ावा

इंदौर। सरकार द्वारा दोबारा शुरू किए गए राष्ट्रीय पाम ऑयल मिशन में 11000 करोड़ रु से अधिक का खर्च किया जाना है, इसके अंतर्गत मुख्य रूप से दक्षिण में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना,उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में असम, अरुणाचल और त्रिपुरा में पाम ऑयल क्षेत्र का विस्तार करने पर विचार किया जाएगा।

आईसीएआर-इंडियन इंस्टीट्यूट रिसर्च के अनुसार वर्ष 2020 में इसके द्वारा पहचानी गई कुल 28 लाख हेक्टेयर की संभावित भूमि में से लगभग 58 प्रतिशत उक्त पांच राज्यों में है।आईसीएआर के अध्ययन में यह भी पाया गया है कि सर्वोत्तम कृषि के लिए पाम खेती को चावल, केले व गन्ना फसलों की तुलना में पानी की कम आवश्यकता होती है। आईसीएआर के अध्ययन में 284 जिलों की पहचान की है, जिनमें पाम की खेती को वैकल्पिक प्रकार की कृषि के रूप में अपनाया जा सकता है। इनमें से अधिकांश जिले बिहार (35), मध्यप्रदेश (29),महाराष्ट्र (28), तेलंगाना (27),छत्तीसगढ़ (15) और कर्नाटक (15) में हैं। संभावित क्षेत्र के आकलन में आईसीएआर-आईआईओपीआर ने पर्यावरण और जैव विविधता के सभी मानकों पर विचार किया,और चुनिंदा जिलों तथा राज्यों में इसकी खेती की सिफारिश की है। फसलं के लिए संभावित जिलों की पहचान भूमि की उपयुक्तता और औसत पैदावार के आधार पर की गई है। पुनर्मूल्यांकन समिति ने वर्ष 2020 में रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) का उपयोग करते हुए सिंचित तथा वर्षा आधारित परिस्थितियों में पाम की खेती के लिए उपयुक्त भूमि की पहचान की थी। सिंचित परिस्थितियों के लिए, भूजल स्तर, वार्षिक वर्षा, न्यूनतम तापमान, दोहरी या तिहरी फसल वाले क्षेत्र प्रमुख मानदंड थे। इसके अलावा और भी तरह के डाटा एकत्रित किए गए है।

आवक कमी से सोयाबीन व सरसों के दाम में सुधार

इंदौर। शनिवार को देश-प्रदेश की तमाम मंडियों में बैंक बंद होने के कारण नीलामी कार्य नहीं हो सका। इसके चलते सोयाबीन व सरसों की आवंक प्रभावित रही। लिहाजा कीमतों में सुधार देखा गया। देश में सोयाबीन की आवक 1.60 लाख व सरसों की आवक 1.40 लाख बोरी दर्ज हुई। तेल प्लांटों की मांग से जयपुर में तेल कंडीशन आधारित सरसों बढ़कर 8075 रु बताई गई। सोयाबीन में भी 100 से 150 रु की बढ़त दर्ज हुई। सोयाबीन के दाम प्लांट सौदो में प्रति क्विंटल प्रेस्टीज 6560, अंबिका 6500, रूचि 6500, अवि 6500, अमृत 6525, एमएस नीमच 6500, कृति 6500, प्रकाश 6500, खड़वा 6550, इटारसी 6600, महाकाली 6600, लिविंग फूड्स 6400 रु के भाव थे। खाद्य तेल प्रति 10 किलो सोया रिफा. 1200-1205, साल्वेंट 1140-1145, मुंबई रिफाइंड 1220, मूंगफली तेल 1320-1340, मुंबई 1320, गुजरात 1250, पाम तेल मुंबई 1180, पाम तेल इंदौर 1250, कॉटन तेल 1155 रु बताए गए। **कपास्या खली**-प्रति 60 किलो इंदौर 1850, देवास-उज्जैन 1850-1855, खंडवा 1825 रु एवं अकोला प्रति क्विटल 2835 रु थी।

महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन 258.17 लाख क्विंटल

मुंबई। अव्वल चीनी उत्पादक महाराष्ट्र में उत्पादन गति रफ्तार पर है। चीनी आयुक्तालय के मुताबिक चालू सीजन में गत दिवस तक 183 चीनी मिलों में 289.1 लाख टन गन्ना पेराई के जरिए 268.17 लाख क्विंटल चीनी उत्पादन किया गया। राज्य में औसत चीनी रिकवरी 9.28 प्रतिशत है। सोलापुर विभाग की 43 मिलों में 69.96 लाख टन गन्ना पेराई से 58.57 लाख क्विंटल चीनी उत्पादन किया, यहाँ चीनी रिकवरी 8.37 प्रतिशत रही है। कोल्हापुर विभाग में सबसे ज्यादा चीनी उत्पादन हुआ है। कोल्हापुर विभाग में 73.93 लाख टन गन्ना पेराई से 78.24 लाख क्विंटल चीनी उत्पादन किया गया है, यहाँ चीनी रिकवरी सर्वाधिक 1058 प्रतिशत हासिल हुई है।

गेहूं-मक्का की आवक एवं मांग अपेक्षा से कमजोर

इंदौर। महीने के दूसरे शनिवार की वजह से अंचल की ज्यादातर मंडियों में नीलामी कार्य बंद होने से स्थानीय मंडी में गेहूं-मक्का की आवक कम होने के साथ ही व्यापार भी कमजोर रहा। लिहाजा, भाव में आंशिक बदलाव को छोड़ स्थिरता देखी गं। मक्का के दाम किस्मानुसार 1400-1800 रु क्विंटल तक बताए गए। डिलीवरी सौदो में मक्का इंदौर पीली 1715, घाटाबिल्लोद 1750, आणंद 1825, अहमदाबाद 1800 रु क्विंटल थी। मंडी में गेहूं चालू 1900-2000, मध्यम 2150-2400, बेस्ट 2800-3200 रु, डिलीवरी सौदो में इंदौर, देवास, पीथमपुर 2080-2130, पुणे 2420, औरंगाबाद 2270, नगर 2350, बैंगलुरू 2550, हैदराबाद 2500 रु क्विंटल थे।

बेस्ट किस्म मूंग में मांग से दाम बढ़े

इंदौर। वर्तमान में हल्की किस्म के मूंग की आवक ज्यादा हो रही है, जबकि बेस्ट किस्म मूंग में मांग अधिक है। इससे बेस्ट क्वालिटी मूंग के दाम 100-150 रु मजबूत रहे। दालों में सुस्त ग्राहकी के बीच दाम स्थिर थे। तुवर मजबूत बताई गई।

मंडी में डॉलर चना करीब 1800 बोरी आवक के बीच 8000-8500, निर्यात सौदो में 42-44 काउंट 8800, 58-60 काउंट 8200-8250, चना 5040-5050, मसूर 7225-7250, उड़द 7000-7300, एवरेज 5000-6600, हल्की 2000-4000, मूंग 7000-7300, एवरेज 6000-6700, तुवर 5400-5900, महाराष्ट्र 6200-6300, कर्नाटक 6400-6500 रु क्विंटल बताई जा रही थी।

दाल-चावल भाव

दालें- चना दाल 5800-6400, तुवर दाल 8500-9600, मसूर दाल 8450-8750, मूंग दाल 7800-8100, मोगर 8400-8700, उडद दाल 8400-8700, मोगर 9600-10100 रु।

चावल- दयाल दास अजित कुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 9500-10000, तिबार 8000-8500, पोनिया 7000-7500, दुबार 6000-65000, मोगरा 3500-5500, सैला 6000-8500, कालीमूंछ डिनरकिंग 7000, राजभोग 6000, दूबराज 3500-4000, परमल 2500-2700 हंसा सैला 2450-2600 हंसा सफेद 2300-2450 पोहा 3300-3800 रु।

एल्युमिनियम ड्यूटी बढ़ाने की सिफारिश

मुंबई। देश में प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादों के सस्ते आयात को हतोत्साहित करने के लिए केंद्रीय खान मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय को लिखित में इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने की सिफारिश की है। खान मंत्रालय ने अपनी सिफारिश में कहा है कि इन उत्पादों पर ड्यूटी को बढ़ाकर 10 फीसदी किया जाना चाहिए। उद्योग के सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी है। फिलहाल, सिल्लियों और गुटकों जैसे प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादों पर 7.5 फीसदी का आयात शुल्क लगाया जाता है।

इस मामले से करीब से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इस हफ्ते घरेलू एल्युमीनियम उद्योग की निजी कंपनियों ने केंद्रीय खान मंत्रालय के माध्यम से वित्त मंत्रालय से संपर्क कर आयात शुल्क में इजाफा करने का अनुरोध किया था। गौरतलब हो कि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और वेदांत लिमिटेड घरेलू बाजार में निजी एल्युमीनियम उत्पादक हैं जबकि नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नालको) सरकारी क्षेत्र की कंपनी है।

उद्योग के अधिकारियों का कहना है कि चालू वित्त वर्ष 2021-22 में इन कंपनियों द्वारा कुल मिलाकर 42 लाख टन प्राथमिक एल्युमीनियम का उत्पादन किए जाने की संभावना है। हालांकि, इस कदम से द्वितीयक एल्युमीनियम उद्योग पर बुरा असर पडने की आशंका भी जताई जा रही है, जो अपने उत्पाद का उत्पादन करने के लिए अधिकांश रूप से घरेलू उत्पादकों पर निर्भर रहते हैं।

अंचल की मंडी

छावनी किसानी मंडी में 6098 क्विंटल कृषि उपज की आवक

इंदौर। महीने के द्वितीय शनिवार को बैंकें बंद होने से अंचल की अधिकांश मंडियों में नीलामी कार्य नहीं हो सका। कुछेक मंडियों में नीलामी के दौरान आवक कम थी। इंदौर की छावनी किसानी मंडी में 6098 क्विंटल आवक हुई। भाव- सोयाबीन 2800 -6500, गेहूं 1387-2231, मक्का 1350-1657, डॉलर चना 3000-8105, चना देसी 1665-5205, मसूर 6675, मटर 2215-5090, तुवर 4985, उड़द 2525-3600, मिर्च 2500- 11200, मैथी 4400, हरा चना 3505 रु। **निमरानी**- गेहूं आवक 1250 बोरी के बीच भाव 1965-2050 रुरहे। **खेतिया**- कपास 250 वाहन, 5 बैलगाड़ी आवक के बीच दाम 7500-8460 रुपए के रहे। **भीकनगांव**- कपास 3411-8690, गेहूं 1970-2090, मक्का 1450-1660, सोयाबीन 4500-8401 रुपए क्विंटल।

चीनी मिलों पर पिछले सीजन का गन्ना बकाया 4445 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सरकारी आंकड़ों के अनुसार चीनी मिलों ने 2020-21 के सीजन में किसानों को 88436 करोड़ रु का भुगतान किया है, और सितंबर में खत्म हुए चीनी सीजन 2020-21 के दौरान गन्ना आपूर्ति का 4445 करोड़ अभी भी बकाया हैं।

खाद्य और उपभोक्ता मामलों की राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने बताया कि विपणन वर्ष 2020-21 (अक्टूबर-सितंबर) के लिए गत सप्ताह तक गन्ना किसाानों का बकाया 4445 करोड़ रुपए का था। विपणन वर्ष 2020-21 के लिए गन्ने की कुल देय राशि 92881 करोड़ रु थी, जिसमें से 88436 करोड़ रु का भुगतान पहले हो चुका है। उन्होंने कहा, चीनी मिलों द्वारा गन्ना उत्पादकों को गन्ना मूल्य का भुगतान एक सतत प्रक्रिया है। अखिल भारतीय स्तर पर चीनी सत्र 2016-17 में 55340 करोड़ रु. 2017-18 में 83629 करोड़ रु, 2018-19 में 86617 करोड़ रु, 2019-20 में 75709 करोड़ रु. और 2020.21 में 92881करोड़ रु था। सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपायों के परिणामस्वरूप ही छह दिसंबर 2021 तक 4445 करोड़ रु रह गया है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा लगातार चीनी मिलों को गन्ने के बकाया भुगतान के लिए निर्देश देने के साथ कार्रवाई की जा रही है।

मांग अभाव के बावजूद सोना-चांदी में मजबूती

इंदौर। शनिवार को सराफा बाजार में मांग अभाव के बावजूद सोना-चांदी के दामों में मजबूती दर्ज हुई। दरअसल, गत रात्रि को फिक्सिंग के समय सोना 1783.90 डॉलर पर और चांदी 2228 सेंट प्रतिऔंस पर बढ़त के साथ बंद हुई। इसके चलते घरेलू सराफा बाजारों में दोनों धातुओं के दाम मजबूत रहे। **इंदौर सराफा**- सोना 150 रु की बढ़त के साथ केश में 49250-49350, आरटीजीएस में 49250 रु प्रति 10 ग्राम, चांदी 600 रु बढ़त के साथ केश में 62350-61450 रु आरटीजीएस 62550 रु किलो थी थी। **रतलाम सराफा**-आरटीजीएस सोना प्रति 10 ग्राम 49375 रु, चांदी प्रति किलो 61800 रु बताई जा रही थी। **उज्जैन सराफा**- सोना बढ़कर 49450 रु प्रति 10 ग्राम, चांदी 62750 रु किलो थी।

वैश्विक सराफा

विवरण	सोना	चांदी
ऊंचे में	1791.30	22.37
नीचे में	1770.10	21.80
रनिंग में	1783.90	22.28

नारियल में स्टॉक भरावा, कालीमिर्च मंदी

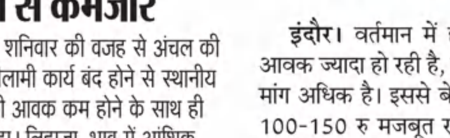

इंदौर। नारियल में ग्राहकी नगण्य होने से स्टॉक भरावा बढ़ता जा रहा है। इसके चलते व्यापारी दाम 25-30 रु बोरी घटाकर बिकवाली को आतुर है। कालीमिर्च में बिक्री प्रेशर के बीच दाम नए सिरे से 5 रु घटकर 557-600 रु किलो थे। तरबूज मगज भी गिरकर 230-240 रु रह गया। खोपरा गोला का टिपटूर टेंडर घटकर 175.30 रु के भाव भरा गया, जो गत 8 दिसंबर को 178.50 रु भरा गया था। आवक 4000 बोरी रही।

शकर 3550-3580, सुपर 3600-3610, एम 3725-3750, गुड़ भैली 3050-3100, कटोरा 3250, लड्डू 3350-3500, बरफी 4000-4100, कालीमिर्च कालामोती 557, दीपक 571, गणेश 582, मटरदाना 600, जीरा पंजा 184, खुशबू 186, सुपर 190-210 हल्दी सांगली 157-159, निजामाबाद 110-130, पीसी हल्दी प्रति 15 किलो 1750-1850, नारियल प्रति बोरी 120 भर्ती 1425-1475, 160 भर्ती 1525-1575, 200 भर्ती 1525-1575, 250 भर्ती 1625-1675, खोपरा गोला 210-232, खोपराबूरा 15 किलो 2600-4200, साबूदाना 4200-4600, वरलक्ष्मी 4850, ग्लास 5400, वरलक्ष्मी 1 किलो पैक 5600, सौंफ 150-205, हल्की 105-115, लौंग 670-740, दालचीनी 265-275, जायफल 750-800, जावत्री 1900-2000, शाहजीरा 300-525 बड़ी इलायची 751-800, तरबूज मगज 230-240, चारोली 1100-1250, इलायची एक्स्ट्रा बोल्ड 1800-1850, बोल्ड 1650-1700 मध्यम 1550-1600, मिनी 1400-1500, पानपट्टी 1300-1400, पोस्ता 1200-1500, टिनोपाल 1600, काजू (240) 780-800, (320) 700-715, डब्ल्यू वन (300) 680-690, एस एस डब्ल्यू 640-655, जेएच 620-630, काजू टुकड़ी 675-700, बादाम इनडिपेंटेड 580, अमेरिकी 625-640, आस्ट्रेलियन 660-650, टांच 500-525, किशमिश कंधारी 375-550, इंडियन 210-240, मखाना 675-900, पिस्ता 1250-1325, नमकीन 850-950, चारोली 1050-1200 रु। **आटा-मैदा** (50 किलो) आटा 1230, मैदा 1240, रवा 1270, बेसन 3340-3350 रु।

अंतर्राष्ट्रीय समुद्री परिषद में फिर चुना गया भारत

लंदन। भारत को अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) की परिषद में दो वर्ष 2022-2023 के लिए फिफर सदस्य चुना गया है। संगठन की लंदन में चल रही सभा के दौरान यह चुनाव संपन्न हुए।

भारत को उन दस राष्ट्रों की श्रेणी में चुना गया है जिनकी अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार में सर्वाधिक रुचि है। इस श्रेणी में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, फ्रांस जर्मनी, नीदरलैंड, स्पेन, स्वीडन व संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। आईएमओ के 126वें सत्र की 32वीं सभा के समापन के अवसर पर इस नवनिर्वाचित परिषद की औपचारिक बैठक होगी। उसी दौरान अगले दो वर्ष के लिए इसके अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चयन होगा। लंदन में भारतीय उच्चायोग ने इश चयन के बाद ट्विटर पर एक बयान में कहा, भारत अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन की परिषद के लिए पुनः चुना गया है। यह परिषद आईएमओ की कार्यकारी इकाई है, जो संगठन के कामकाज की निगरानी करती है। चीन, यूनान, इटली, जापान, नॉर्वे, पनामा, कोरिया गणराज्य, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका परिषद में उन 10 देशों की सूची में हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय पोत सेवां मुहैया करवाने में सर्वाधिक दिलचस्पी है। संगठन की 32वीं सभा की लंदन मुख्यालय पर बैठक चल रही है। बैठक 6 दिसंबर से 15 दिसंबर तक चलेगी। सामान्य सत्र में सभा बैठक आमतौर पर दो वर्ष में एक बार होती है। इनमें अगले दो साल की अवधि के लिए संगठन की 40 सदस्यीय परिषद का भी चुनाव किया जाता है।

कोलिन मुनरो ने बिग बैश लीग में लगाया आतिशी शतक

लंदन। धाकड़ प्लेयर कोलिन मुनरो ने ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित ट्वंटी-20 लीग बिग बैश लीग में आतिशी शतक लगाकर सबका मन मोह लिया। एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ सिडनी के मैदान पर

खेले गए मैच में पर्थ स्क्रॉचर्स की ओर से खेल रहे मुनरो ने महज 73 गेंदों में 114 रनों की पारी खेली। यह बीबीएल इतिहास का पांचवां शतक है जबकि कोलिन मुनरो का पहला। बहरहाल,पहले खेलते हुए पर्थ स्क्रॉचर्स की ओर से ओपनिंग पर कोलिन मुनरो के साथ कैमरून बैनक्रॉफ्ट आए थे। दोनों ने अपनी टीम को तेजतर्रार शुरूआत दी। खास तौर पर मुनरो तो अलग ही लय में नजर आए। पर्थ की पहली विकेट 16वें ओवर में गिरी जब बैनक्रॉफ्ट रन गति बढ़ाने के चक्कर में रन आऊट हो गए। उन्होंने 37 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 45 रन बनाए। इसके बाद कप्तान अश्टन टर्नर मैदन पर आए लेकिन जलवा मुनरो ने ही दिखाया। मुनरो ने आखिरी चार ओवरों में 60 से ज्यादा रन बनाए। कप्तान टर्नर ने जहां 10 गेंदों में एक छक्के की मदद से 14 रन बनाकर अपनी पारी समाप्त की तो वहीं, मुनरो ने 114 रनों की पारी के दौरान 8 चौके और 6 लंबे छक्के लगाए। दोनों ने टीम का स्कोर 195 रन पर ला खड़ा किया। जवाब में एडिलेड की ओर से मैथ्यू शॉर्ट ने 47 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 63 रन बनाए लेकिन अन्य कोई भी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके। लिहायजा एडिलेड की टीम 146 रन पर आऊट हो गए।

नाथन लियोन के 400 विकेट पूरे

ब्रिसबेन। एशेज सीरीज के तहत इंगलैंड के खिलाफ ब्रिसबेन में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने अपने टेस्ट क्रिकेट के 400 विकेट पूरे कर लिए। लियोन को इसके लिए 11 महीनों तक इंतजार करना पड़ा। भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट में वह कोई विकेट नहीं ले पाए थे नहीं तो यह रिकॉर्ड पहले ही बन जाता। बहरहाल, लियोन ने ब्रिसबेन टेस्ट में चार विकेट लेकर बड़ी रिकॉर्ड लिस्ट में अपना नाम दर्ज करवा लिया। जानें स्पिनरों की ओर से टेस्ट क्रिकेट में लिए विकेटों की सूची-

टेस्ट में स्पिनरों द्वारा सर्वाधिक विकेट

मुरलीधरणः 133 मैच, 800 विकेट, 5विकेट- 67, 10विकेट- 22
शेन वार्न :145 मैच, 708 विकेट, 5विकेट- 37, 10विकेट- 10
अनिल कुंबलेः133 मैच, 619 विकेट, 5विकेट- 35, 10विकेट- 8
रंगना हैराथ : 93 मैच, 433 विकेट, 5विकेट- 34, 10विकेट- 9
रवि अश्विनः 81 मैच, 427 विकेट, 5विकेट- 30, 10विकेट- 7
हरभजन सिंहः 103 मैच, 417 विकेट, 5विकेट- 25, 10विकेट- 5
नाथन लियोनः 101 मैच, 403 विकेट, 5विकेट- 18, 10विकेट- 3
डेनियल विट्टोरीः 113 मैच, 362 विकेट, 5विकेट- 20, 10विकेट- 3
लांस गिब्स : 79 मैच, 309 विकेट, 5विकेट- 18, 10विकेट- 2
डेरेन अंडरवुड : 86 मैच, 297 विकेट, 5विकेट- 17, 10विकेट- 6

टॉप 10 में तीन भारतीय गेंदबाज

पांचवें और छठे स्थान पर भारतीय स्पिनर आर. अश्विन और हरभजन सिंह हैं जिन्होंने 81 और 103 मैचों में क्रमशः 427 और 417 विकेट लिए हैं। आर अश्विन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई घरेलू श्रृंखला में टर्बनेटर का रिकॉर्ड तोड़ा। अनिल कुंबले, आर अश्विन और हरभजन सिंह सभी खुद को शीर्ष 10 में हैं जिन्होंने टेस्ट मैचों में 400 से अधिक विकेट हासिल किए हैं।

पंजाब पुलिस ने जीता अखिल भारतीय पुलिस हॉकी खिताब

बेंगलुरु। मजबूत टीम पंजाब पुलिस ने यहां फाइनल में आईटीबीपी जालंधर को एकतरफा अंदाज में 7-1 से हराकर 70वीं अखिल भारतीय पुलिस हॉकी चैंपियनशिप खिताब जीत लिया। पंजाब पुलिस ने चोट के कारण खेलने में असमर्थ स्टार स्ट्राइकर रमनदीप सिंह के बिना मैच में प्रभावशाली जीत दर्ज की। टीम ने आक्रामक तरीके से शुरुआत की, परिणामस्वरूप आईटीबीपी जालंधर पर दबाव बना, जिससे वह मैच के अंत तक उबर नहीं पाया। पंजाब पुलिस की टीम की ओर से लगातार अंतराल पर गोल किए गए। लगभग हर क्वार्टर में एक गोल हुआ। स्कोर का खाता हरदीप सिंह ने 14वें मिनट में खोला, जिसके बाद करनबीर सिंह ने 17वें और 39वें, कंवरजीत सिंह ने 20वें, कप्तान दुपिंदरदीप सिंह ने 41वें, जगमीत सिंह ने 53वें और बलविंदर सिंह ने 55वें मिनट में गोल किए। आईटीबीपी जालंधर की ओर से 27वें मिनट में एकमात्र गोल दागा गया जो सुनील किज्जुर के नाम रहा।

जेहान दारुवाला की अबू धाबी ग्रां प्री में बड़ी जीत

अबू धाबी। रेड बुल रेसिंग जूनियर टीम का हिस्सा रहे भारत के रेसिंग स्टार जेहान दारुवाला ने यस मरीना सर्किट में फॉर्मूला दो में बड़ी जीत हासिल की। फॉर्मूला एक अबू धाबी ग्रां प्री के लिए मेन सपोर्ट दौड़ में जेहान ने पहले पोल पर शुरुआत की और अत्यधिक दबाव का सामना करने के बावजूद इस साल फॉर्मूला दो में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। वह 5वीं बार पोडियम (शीर्ष तीन) में पहुंचे।

जेहान ने शानदार शुरुआत की और 5.281 किमी सर्किट के कॉर्नर एक तक शॉर्ट रन डाऊन में अपनी बढ़त बनाए रखी। इस दौरान डैन टिक्टम चौथे स्थान पर खिसक गए, जबकि फेलिप ड्रगोविच तीसरे से शुरू होकर दूसरे स्थान पर पहुंच गए। फिर ड्रगोविच ने जेहान पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। ब्राजीलियाई ड्रगोविच पहले लैप में दो बार जेहान को पीछे छोडने् में कामयाब रहे, लेकिन जेहान ने

अंततः चतुराई के साथ पकड़ बना ली और पहले नंबर पर दौड़ समाप्त की। जेहान ने आराम से दो सैकेंड के अंतर से ड्रगोविच से रेस जीत ली।

चैंपियनशिप लीडर ऑस्कर पियास्त्री 2021 फॉर्मूला दो दौड़ में तीसरे स्थान पर रहे। उल्लेखनीय है कि दूसरी दौड़ के स्टार्ट प्वाइंट पर मौजूदा दौड़ के टॉप टेन के स्थान को बदल दिया जाएगा, जिसका मतलब है कि जेहान को अब 10वें नंबर से शुरुआत करनी होगी।

जेहान ने दो वर्षों में फॉर्मूला दो दौड़ में अपनी तीसरी जीत के बाद कहा कि सप्ताहांत के शुरुआती हिस्से में संघर्ष करने के बाद यहां जीतना शानदार है।

मैं पहले कुछ लैप्स में और बाद में काफी दबाव में था, लेकिन मैं आश्वस्त रहा और सच में रेसिंग का बहुत आनंद लिया। यह टीम के लिए एक अच्छा परिणाम है, इसलिए उन सभी को धन्यवाद, जिन्होंने ऐसा करने के लिए कड़ी मेहनत की है। अगली दौड़ में दसवे पोल से शुरुआत करना कठिन होगा, लेकिन मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा।

मैक्स वर्स्टापेन ने हैमिल्टन को पछाड़ हासिल की पोल पोजीशन

अबुधाबी। मैक्स वर्स्टापेन ने क्वालीफाइंग में की गई गलती से उबरते हुए फार्मूला वन के इस सत्र की अंतिम रेस अबुधाबी ग्रां प्री में पोल स्थान हासिल किया। वर्स्टापेन 7 बार के चैम्पियन लुईस हैमिल्टन

को शीर्ष से हटाने की कोशिश करेंगे। वर्स्टापेन ने कार के टायर की हवा निकलने के बावजूद दूसरे क्वालीफाइंग ग्रुप में एक मिनट 22.109 सेकेंड से पोल स्थान हासिल किया। हैमिल्टन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के बावजूद .371 सेकेंड धीमे रहे और वह मर्सीडिज के लिये अपने प्रतिद्वंद्वी के बाद दूसरे स्थान से शुरूआत करेंगे। मैक्लारेन के लैंडो नौरिस तीसरे स्थान पर रहे।

अर्जुन लाल जाट और रवि ने जीता स्वर्ण पदक, परमिंदर को भी मिला रजत

नई दिल्ली । भारतीय रोवर अर्जुन लाल जाट और रवि ने एशियाई रोइंग चैंपियनशिप 2021 में पुरुष युगल स्कल्स में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों ने थाईलैंड में चल रही चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत की झोली में पदक डाले। भारतीय रोवर ने चीन के कींग ली/लुटोंग झांग और उज्बेकिस्तान के दव्रजां देवरॉनोव अबदुल्लो को हराया। भारतीय खिलाड़ियों ने 6:57.883 का समय निकाला जबकि चीनी जोड़ी ने 7:02.374 के समय के साथ रजत पदक जीता। वहीं उज्बेकिस्तान की जोड़ी को कांस्य से संतोष करना पड़ा। चैंपियनशिप में बाद में परमिंदर सिंह ने पुरुष एकल के स्कल्स स्पर्धा में रजत पदक पर कब्जा जमाया। भारतीय रोवर ने रजत पदक के लिए

8:07.323 का समय निकाला। वहीं उज्बेकिस्तान के खोलमुरझाएव शाखबोज़ ने स्वर्ण पदक जीता। भारतीय रोवर्स अब पांच अन्य स्पर्धाओं के फाइनल में अपनी दावेदारी पेश करेंगे।

गोलकीपर सूरज करकेरा बोले- अनुभवी श्रीजेश की जगह भरना मुश्किल होगा

नई दिल्ली । पी आर श्रीजेश को विश्राम दिए जाने के कारण एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) के लिए भारतीय हॉकी टीम में चुने गए गोलकीपर सूरज करकेरा का मानना है कि इस अनुभवी गोलकीपर की जगह भरना मुश्किल होगा। छब्बीस वर्षीय करकेरा भारत की तरफ से आखिरी बार 2019 में टोक्यो ओलंपिक परीक्षण प्रतियोगिता में खेले थे।

करकेरा ने ढाका में होने वाली प्रतियोगिता से पूर्व कहा, 'मैं लंबे समय के बाद भारत के लिए खेलने का मौका पाकर वास्तव में उत्साहित हूं। जब भी आपको भारतीय जर्सी पहनने का मौका मिलता है तो बेहद खुशी मिलती है। मैं बिल्कुल भी नर्वस नहीं हूं क्योंकि हमने अच्छी तरह से

अभ्यास किया है। मुझे स्वयं पर और अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है।' करकेरा के सामने अनुभवी गोलकीपर श्रीजेश की जगह भरने की चुनौती होगी जिन्हें टूर्नामेंट से विश्राम दिया गया है।

पाक के खिलाफ सीरीज से पहले वेस्टइंडीज को लगा झटका, तीन खिलाड़ी पाए गए कोरोना पॉजिटिव

नई दिल्ली । क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि वेस्टइंडीज के तीन क्रिकेट खिलाड़ी और टीम के एक सदस्य के पाकिस्तान पहुंचने पर कोरोना वायरस परीक्षण में पॉजिटिव पाया गया है और इन्हें आगामी सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर हो जाएंगे। इस लिस्ट में शेल्डन कॉटरेल, ऑलराउंडर रोस्टन चेज और काइल मेयर्स हैं।

सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में कहा, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शेल्डन कॉटरेल, ऑलराउंडर रोस्टन चेज और काइल मेयर्स और एक गैर-कोचिंग स्टाफ सदस्य कराची में पॉजिचिव पाया गया और इसलिए आगामी पाकिस्तान सीरीज में भाग लेने के लिए अनुपलब्ध रहेंगे। चारों का टीकाकरण पूरा था और उनमें कोई प्रमुख लक्षण भी नहीं थे। ये सभी 10 दिनों के लिए क्वारंटाइन में रहेंगे जब तक वे पीसीआर टेस्ट में नेगेटिव नहीं आते।

सीडब्ल्यूआई के मुख्य कार्यकारी जॉनी ग्रेव ने कहा, पाकिस्तान में हमारे आगमन परीक्षण प्रोटोकॉल ने 4 कोविड????-19

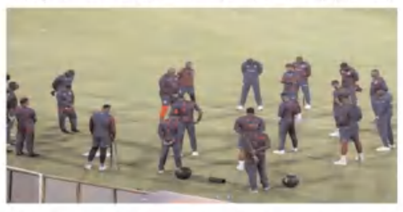

पॉजिटिव की पुष्टि की है। इनकी पुष्टि तब हुई जब खिलाड़ी और कर्मचारी अभी भी कमरे के क्वारंटाइन थे, इसलिए हमारी तैयारी की योजना के लिए इस महत्वपूर्ण झटके के बावजूद हमें विश्वास है कि दौरा जारी रह सकता है क्योंकि बाकी सभी ने पाकिस्तान में आने से पहले नेगेटिव पीसीआर और कराची पहुंचने पर 2 पीसीआर टेस्ट में नेगेटिव आए हैं।

कोविड-19 संक्रमण के जोखिम को क्रिकेट दौरे से पूरी तरह से हटाना असंभव है, इस तथ्य के बावजूद कि हमारे कई खिलाड़ी सीपीएल से पहले से लगभग लगातार जैव-सुरक्षित बुलबुले में रह रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारी टीम के तीन खिलाड़ियों के इस असामान्य नुकसान से हमारी टीम की तैयारियों पर गंभीर असर पड़ेगा और सोमवार को हमारे पहले मैच से पहले आज से प्रशिक्षण शुरू करेगी। कॉटरेल, चेस और मेयर्स को सोमवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया था। वहीं चेस को 18 से 22 दिसंबर के बीच कराची में होने वाले तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए भी चुना गया था।

पहले टेस्ट में इंग्लैंड को हराकर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने दिया ये बयान

ब्रिस्बेन । ऑस्ट्रेलिया ने पहले एशेज टेस्ट में इंग्लैंड को हराकर मैच को अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने इंग्लैंड के खिलाफ पहला एशेज टेस्ट जीतने का श्रेय पूरी टीम को दिया और इसे शानदार टीम प्रयास बताया। कमिंस ने ट्वीट किया, गाबा में सीरीज की शानदार शुरुआत, टीम का उचित प्रयास। अगला पड़ाव एडिलेड। एशेज। नाथन लियोन, कप्तान पैट कमिंस, डेविड वार्नर और ट्रैविस हेड ने शानदार प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलिया ने यहां गाबा में पहले एशेज टेस्ट में इंग्लैंड को 9 विकेट से हराया।

20 रनों का पीछा करते हुए एलेक्स केरी (9) और मार्कस हैरिस (9*) ने लक्ष्य पीछा करते हुए थोड़ा काम किया और मेजबान टीम ने केवल 5.1 ओवर में जीत

दर्ज की। दूसरी पारी में ल्योन और कमिंस ने चौथे दिन इंग्लैंड के खिलाफ जीत के करीब पहुंचाया और इंग्लैंड को 297 रन पर आउट कर दिया गया जिससे ऑस्ट्रेलिया को गाबा टेस्ट जीतने के लिए सिर्फ 20 रनों का लक्ष्य मिला।

मैंने व्यक्तिगत रूप से विराट कोहली से टी20 कप्तानी नहीं छोड़ने का अनुरोध किया था : गांगुली

नई दिल्ली। विराट कोहली का भारत के एकदिवसीय कप्तान के रूप में बर्खास्त किया जाना क्रिकेट जगत में इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रशंसकों और विशेषज्ञों के एक वर्ग ने निर्णय को सही कहा है तो अन्य इस फैसले के पक्ष में नहीं हैं। रोहित शर्मा को कोहली की जगह वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है और अब वह एकदिवसीय और टी20 इंटरनेशनल दोनों में नेतृत्व करेंगे।

पिछले महीने टी20 विश्व कप 2021 के बाद कोहली ने भारत के टी20 कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि बल्लेबाज ने कहा था कि वह अन्य दो प्रारूपों एकदिवसीय और टेस्ट में टीमों का नेतृत्व करना जारी रखेगा।

वहीं राष्ट्रीय चयनकर्ता सफेद गेंद वाले क्रिकेट में 2 अलग-अलग कप्तान नहीं चाहते थे और इसलिए बड़ा निर्णय लिया गया। पूरे मामले पर बोलते हुए बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने खुलासा किया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कोहली से टी20 इंटरनेशनल कप्तान के रूप में पद नहीं छोड़ने का अनुरोध किया था। जैसा कि वह ऐसा करने के लिए सहमत नहीं था, चयनकर्ताओं को उसे एकदिवसीय कप्तान के रूप में भी उतारना पड़ा।

गांगुली ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा, यह वैसा ही है जैसा मैंने कहा...मैंने व्यक्तिगत रूप से उनसे (कोहली) टी20 कप्तानी नहीं छोड़ने का अनुरोध किया। जाहिर है, उन्होंने काम का बोझ महसूस किया। जो ठीक

है, वह एक महान क्रिकेटर रहा है, वह अपने क्रिकेट को लेकर काफी उग्र रहा है। उन्होंने लंबे समय तक कप्तानी की है और ये चीजें होती रहती हैं। क्योंकि मैंने लंबे समय तक कप्तानी की है इसलिए, मुझे पता है।

पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली ने कहा, इसके अलावा वे केवल एक सफेद गेंद वाला कप्तान चाहते थे और इसलिए यह निर्णय। मुझे नहीं पता कि भविष्य में क्या होने वाला है। लेकिन जैसा कि मैंने कहा यह एक अच्छी टीम है और इसमें कुछ शानदार खिलाड़ी हैं और मुझे उम्मीद है कि वे इसे बदल देंगे। एक अच्छी टीम में बहुत अधिक नेता नहीं होते हैं।

इस बीच कोहली सबसे लंबे प्रारूप में टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे जबकि रोहित अब उप-कप्तान होंगे। राष्ट्रीय टीम के कार्यक्रम की बात करें तो भारत 26 दिसंबर से शुरू होने वाले तीन टेस्ट और इतने ही एकदिवसीय मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी।

विजय हजारे ट्रॉफी : डेब्यू तेज गेंदबाज सिद्दीकी ने झटके 6 विकेट, मेघालय ने मणिपुर को हराया

जयपुर। तेज गेंदबाज नफीस सिद्दीकी के लिस्ट ए क्रिकेट में शानदार डेब्यू करते हुए 39 रन देकर 6 विकेट लिए जिससे मेघालय ने विजय हजारे ट्रॉफी राष्ट्रीय एकदिवसीय टूर्नामेंट में मणिपुर को 111 रन से हराया।

जीत के लिए 259 रन का पीछा करते हुए मणिपुर की टीम सिद्दीकी की गेंदबाजी के सामने शुरुआती नौ ओवर में 28 रन पर पांच विकेट गंवा दिये। ए किशन सिंह ने इसके बाद 123 गेंद में 50 रन बनाये लेकिन उनका यह प्रयास सिर्फ टीम की बल्लेबाजी को 49.2 ओवर तक खिंचने में सफल रहा। मणिपुर की टीम 147

रन पर ऑलआउट हो गई।

इससे पहले मेघालय ने कप्तान पुनीत बिष्ट (85) और चिराग खुराना (50) के अर्धशतकों की मदद से सात विकेट पर 258 रन बनाये थे। मेघालय की यह लगातार तीसरी जीत है लेकिन टीम नेट रन रेट के मामले में त्रिपुरा के बाद ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। त्रिपुरा ने सवाई मानसिंह स्टेडियम में विशाल घोष के नाबाद 127 रन के दम पर सिक्किम को आठ विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। जीत के लिए 232 रन का पीछा करते हुए विशाल ने समित गोहेल (73) के साथ दूसरे विकेट के लिए 164 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी। विशाल ने 137 गेंद की पारी में 14 चौके लगाए। इससे पहले सिक्किम के सलामी बल्लेबाज लियान खान ने 148 गेंद में 120 रन की पारी खेल टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया था। ग्रुप के अन्य मैचों में बिहार ने नगालैंड को 138 रन जबकि मिजोरम ने अरुणाचल प्रदेश को पांच विकेट से हराया।

दो बंगलादेशी महिला क्रिकेटर ओमिक्रॉन से संक्रमित, स्वास्थ मंत्री ने दिया बयान

ढाका। बंगलादेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जाहिद मालेक ने कहा कि जिम्बाब्वे से आई दो महिला क्रिकेटर कोरोना वायरस के नए और खतरनाक स्वरूप ओमीक्रॉन से संक्रमित पाई गई हैं। जाहिद ने एक बयान में कहा कि इन्हें ठीक होने में समय लगेगा और प्रोटोकॉल के मुताबिक हम उन्हें दो हफ्ते तक निगरानी में रखेंगे और पूरी तरह से ठीक होने के बाद उन्हें घर जाने दिया जाएगा। हम उनके संपर्क में आए लोगों की ट्रेसिंग कर रहे हैं और उन सभी का टेस्ट किया गया है जो उनके करीब आए थे। उल्लेखनीय है कि बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने छह दिसंबर को

आईसीसी महिला विश्व कप 2022 के क्वालीफायर टूर्नामेंट में भाग लेने के बाद जिम्बाब्वे से स्वदेश लौटी महिला क्रिकेट टीम की दो खिलाड़ियों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद टीम के क्वारंटीन को बढ़ा दिया था।इस बीच बंगलादेश सरकार द्वारा अफ्रीकी देशों से आने वाले यात्रियों पर नए नियम लागू होने के बाद महिला टीम के सदस्यों को क्वारंटीन से गुजरना पड़ा, जहां अब दो खिलाड़ी कोरोना के ओमिक्रॉन स्वरूप से संक्रमित पाए गए हैं।

बीसीबी की महिला विंग के अध्यक्ष नादेल चौधरी ने पुष्टि की है कि महिला टीम, जिसके पहले छह दिसंबर को टीम होटल छोड़ने की उम्मीद थी, उसे अनिवार्य पांच दिवसीय क्वारंटीन को पूरा करने के बाद एक और 14 दिवसीय क्वारंटीन से गुजरना होगा।

संसद पर हमले के 20 साल

खौफ की यादें अभी भी ताजा

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेन्सी)। बीस साल पहले, भारत की सर्वोच्च विधायी संस्था संसद में एक नृशंस आतंकी हमला हुआ था, जिसने देश की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था। 13 दिसंबर 2001 को हुए उस हमले का खौफ देश की जनता के जेहन में आज भी ताजा है।

पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेएम) के पांच आतंकवादियों ने एम्बेस्डर कार में गृह मंत्रालय और संसद के नकली स्टिकर लगाकर सफेद परिसर में घुसपैठ की।

यह कहना गलत नहीं होगा कि उस समय संसद में सुरक्षा व्यवस्था उतनी ही कड़ी थी जितनी आज है।

एके47 राइफल, ग्रेनेड लांचर, पिस्टल और हथगोले लेकर आतंकवादियों ने संसद परिसर के चारों ओर तैनात सुरक्षा घेरे को तोड़ दिया। जैसे ही वे कार को अंदर ले गए, स्टाफ सदस्यों में से एक, कांस्टेबल कमलेश कुमारी यादव को उनकी हरकत पर शक हुआ।

कमलेश पहली सुरक्षा अधिकारी थीं जो आतंकवादियों की कार के पास पहुंचीं और कुछ संदिग्ध महसूस होने पर वह गेट नंबर 1 को सील करने के लिए अपनी पोस्ट पर वापस चली गईं, जहां वह तैनात थीं।

आतंकवादियों ने अपने कवर को प्रभावी ढंग से उड़ाते हुए कमलेश पर 11 गोलियां चलाईं।

आतंकवादियों के बीच एक आत्मघाती हमलावर था, जिसकी योजना को कमलेश ने विफल कर दिया, लेकिन उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

कमलेश को मारने के बाद आतंकी अंधाधुंध फायरिंग करते हुए आगे बढ़ गए। आतंकी कार्रवाई लगभग 30 मिनट तक चली, जिसमें कुल नौ लोग मारे गए और अन्य 18 घायल हो गए।

उसी बीच सुरक्षा बलों ने सभी पांचों आतंकियों को बिल्डिंग के बाहर ही ढेर कर दिया गया।

राष्ट्रीय राजधानी में आतंकवाद, संगठित अपराध और अन्य गंभीर अपराधों के मामलों को रोकने, पता लगाने और जांच करने के लिए 1986 में स्थापित दिल्ली पुलिस की आतंकवाद-रोधी इकाई स्पेशल सेल ने जांच का जिम्मा संभाला।

20 साल पुराने आतंकी हमले की यादों को याद करते हुए तत्कालीन पुलिस उपायुक्त अशोक चंद ने आईएएनएस को बताया कि जब नरसंहार हुआ, उस समय वह स्पेशल सेल के कार्यालय में थे।

चंद ने कहा, 'जैसे ही हमें सूचना मिली, मैं अपनी टीम के साथ संसद पहुंचा।' उन्होंने कहा कि जब वह मौके पर पहुंचे, उस समय भी हमला जारी था।

उन्होंने कहा, 'स्थिति सामान्य नहीं हुई थी, उस समय तक स्पेशल सेल की अन्य टीमें भी वहां पहुंच गईं।'

अगले कुछ ही मिनटों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने सभी आतंकियों को ढेर कर दिया।

गौरतलब है कि हमले के समय संसद में तैनात सीआरपीएफ की बटालियन जम्मू-कश्मीर से हाल ही में लौटी थी।

घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अन्य अधिकारी ने कहा कि वे ऐसी अप्रत्याशित घटनाओं के लिए तैयार थे और जानते थे कि कैसे प्रतिक्रिया देनी है।

हालांकि सुरक्षा बलों ने अत्यधिक बहादुरी दिखते हुए स्थिति को जल्द नियंत्रित कर लिया। संसद के वॉच एंड वार्ड स्टाफ ने भी कई लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक अधिकारी ने कहा, 'हमला शुरू होने के तुरंत बाद वॉच एंड वार्ड के कर्मचारियों ने संसद भवन के सभी दरवाजे बंद कर दिए। इस तरह आतंकवादियों को अंदर प्रवेश करने से रोक दिया गया।'

अप्रैल 2009 में वॉच एंड वार्ड का नाम बदलकर पार्लियामेंट सिक्योरिटी सर्विस कर दिया गया।

चंद ने कहा कि हमले के तुरंत बाद जांच शुरू कर दी गई। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने महज 72 घंटों में इस मामले का पदार्फाश किया और इस सिलसिले में चार लोगों- मोहम्मद अफजल गुरु, शौकत हुसैन, अफसल गुरु और एस.ए.आर. गिलानी को गिरफ्तार किया।

उनमें से दो को बाद में बरी कर दिया गया, जबकि अफजल गुरु को फरवरी 2013 में दिल्ली की तिहाड़ जेल में फांसी दी गई। शौकत हुसैन ने जेल में अपनी सजा काटी।

हमले की 20वीं बरसी की पूर्व संध्या पर दिल्ली पुलिस ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

सिर्फ तीन महीने पहले सितंबर में स्पेशल सेल ने पाकिस्तान स्थित एक प्रमुख आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और आठ लोगों को गिरफ्तार किया। ये लोग त्योहारों के मौसम में देश में आतंकी हमले करने की साजिश रच रहे थे।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की शुरुआत सपा सरकार ने की : अखिलेश यादव

लखनऊ, 12 दिसम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन किए जाने से एक दिन पहले समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की शुरुआत अपने मुख्यमंत्रित्व काल में होने का दावा करते हुए रविवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा बुनियादी सवालों से ध्यान हटाने के लिए जनता को दूसरे मुद्दों में उलझा रही है।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था जिसे वह पूरा नहीं कर सकी। महंगाई बेकाबू है। जनता यह सवाल न कर दे इसलिए काशी विश्वनाथ कारीडोर.... ध्यान हटाने के लिए यह सब मुद्दे उठाया जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की शुरुआत अपने शासनकाल में होने का दावा करते हुए कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का प्रस्ताव भी अगर किसी ने कैबिनेट में पास किया था, शुरुआत अगर किसी ने की थी तो वह समाजवादी पार्टी की सरकार ही थी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को महत्वाकांक्षी काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण करेंगे।

इससे पहले, शनिवार को बलरामपुर में सरयू नहर परियोजना को लेकर भी अखिलेश ने राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए दावा किया था कि इस परियोजना का तीन चौथाई काम सपा सरकार के कार्यकाल में ही हो गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा समाजवादी पार्टी की लाल टोपी को रेड अलर्ट बताए जाने से संबंधित एक सवाल पर अखिलेश ने इसे भाजपा द्वारा बहस के मुद्दों को बदलने की एक साजिश करार दिया।

सपा अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अपने पिछले साढे चार साल के कार्यकाल के दौरान भेदभाव से काम करने का आरोप लगाया और कहा कि अंग्रेज फूट डालो और राज करो के मंत्र पर काम करते थे। उसी तरह भाजपा डरा कर और लोगों को मारकर राज करना चाहती है। आगामी विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी का सवाल है। इसके अलावा पेपर लीक छात्रों पर लाठीचार्ज भर्तियों पर स्थगन आदेश के सवाल भी मौजूद हैं। शिक्षामित्र भटक रहे हैं। युवा दुखी हैं।

अखिलेश ने कहा कि लखीमपुर खीरी में किसानों पर गाड़ी चढ़ाए जाने की घटना कौन भूल जाएगा। कोविड-19 महामारी के दौरान अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी, नदियों में तैरती लाशें, बीमार अस्पताल और उनमें व्याप्त अव्यवस्थाओं को भी कोई कैसे भूल सकता है। नोटबदी के समय लोगों को लाइन में लगाने वाली सरकार को अब आगामी विधानसभा चुनाव में मतदाता वोट डालने के लिए कतार में खड़े होकर सत्ता से बाहर करेंगे।

सपा अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार अपने शासनकाल के अंतिम दिनों में अपने वर्ष 2017 के वादे के मुताबिक छात्रों को टेबलेट देने की बात कर रही है। सुनने में आ रहा है कि सरकार यह सामान चीन से मंगवा कर देगी। इस सवाल पर कि क्या सत्ता में आने पर समाजवादी पार्टी मौजूदा सरकार के शासनकाल में हुए कथित फर्जी मुठभेड़ मामलों की जांच कराएगी, अखिलेश ने कहा कि अभी हमारा घोषणा पत्र आने दीजिए। उसमें बहुत सारी चीजें होंगी।

अखिलेश ने एक अन्य सवाल पर कहा कि जो समाजवाद है वही अंबेडकर वाद है और जो अंबेडकर वाद वही समाजवाद है, क्योंकि डॉक्टर राम मनोहर लोहिया और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर दोनों ही जाति तोड़ने के समर्थक थे। उन्होंने एक सवाल पर कहा कि सत्ता में आने पर उनकी सरकार गोरखपुर विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने के सिलसिले में केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजेगी। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनी तो गरीबों को मुफ्त पौष्टिक भोजन देने के लिए जरूरत पड़ने पर कैंटीन बनाई जाएगी।

पीएम मोदी के ट्विटर अकाउंट के साथ छेड़छाड़

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निजी ट्विटर हैंडल से कुछ समय के लिए छेड़छाड़ की गई थी। उनके ट्विटर अकाउंट से बिटकॉइन से जुड़े ट्वीट किए गए, लेकिन अब अकाउंट को सुरक्षित कर लिया गया है। ये जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने रविवार को एक ट्वीट से दी।

पीएमओ इंडिया ने एक में ट्वीट लिखा, 'पीएम नरेंद्र मोदी के ट्विटर हैंडल से कुछ समय के लिए छेड़छाड़ की गई थी। इस मुद्दे को ट्विटर के पास उठाया गया है और अकाउंट को तुरंत सुरक्षित कर लिया गया। एक थोड़े अंतराल के दौरान अकाउंट से छेड़छाड़ की गई, इस दौरान किए गए ट्वीट को नजरअंदाज किया जाए।'

ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 7.3 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। ट्विटर हैंडल रिस्टोर होने से पहले, मोदी की टाइमलाइन पर एक यूआरएल के साथ एक ट्वीट साझा किया गया जिसमें कहा गया था, 'भारत ने अब बिटकॉइन को वैध टेंडर के रूप में स्वीकार कर लिया है, सरकार आधिकारिक रूप से 500 बिटकॉइन खरीदेगी और उसे देश के सभी नागरिकों को बांटेगी।'

कुछ मिनट बाद, एक और ट्वीट पोस्ट किया गया, जिसमें लिखा था, 'हां यह अकाउंट जॉन विक ने हैक किया है, हमने पेटीएम मॉल को हैक नहीं किया है।'

ट्विटर के प्रवक्ता ने आईएएनएस को बताया, 'हम पीएम कार्यालय के साथ 247 जुड़े हुए हैं, जैसे ही हमें इस गतिविधि के बारे में कुछ पता चलेगा, तो हमारी टीम आवश्यक कदम उठाएगी। हमारी जांच में पता चला है कि उस समय कोई अन्य अकाउंट प्रभावित नहीं हुआ हैं।'

अकाउंट हैक होने के बाद भारत में हैशटेग हैक्ड ट्रेंड करने लगा।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने ट्वीट किया, 'गुड मॉर्निंग मोदी जी, सब चंगा सी ?' राजनीतिक कार्यकर्ता तहसीन पूनावाला ने ट्वीट किया, 'पुष्टि हुई है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का ट्विटर अकाउंट हैक हुआ था।'

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के उद्घाटन से पहले वाराणसी पहुंचे जेपी नड्डा

वाराणसी, 12 दिसम्बर (एजेन्सी)। आजाद हिन्दुस्तान के करीब 66 वर्ष बाद सोमवार को देश-दुनिया के लोग 12 ज्योतिर्लिंगों में एक श्रीकाशी विश्वनाथ के भव्य धाम के लोकार्पण के साक्षी बनेंगे। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तमाम नेता और अफसर रविवार से ही पहुंचने लगे हैं। कॉरिडोर के उद्घाटन से एक दिन पहले भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा वाराणसी पहुंचे। यहां सीएम योगी ने उनका स्वागत किया। सीएम के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह भी मौजूद थे। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने वाराणसी पहुंचे अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने कहा कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और संतों के यहां आने के साथ यह हम सभी के लिए गर्व का दिन होगा। परियोजना 2018 में शुरू हुई और अब पूरी हो चुकी है।

आपको बता दें कि सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी सबसे पहले बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन करेंगे। इसके बाद धाम के लोकार्पण के बाद मंदिर चौक में संत-महात्माओं व गणमान्य लोगों को संबोधित करेंगे। इस दौरान श्रीश्री रविशंकर, बाबा रामदेव, साध्वी ऋतंभरा समेत 500 से ज्यादा बड़े संत- महात्मा की विशेष मौजूदगी होगी। संबोधन के बाद पीएम संत-महात्माओं से मुलाकात करेंगे, धाम के एक-एक भवन की सुंदरता व गुणवत्ता निहारेंगे। वह मंदिर परिसर के इम्पोरियम में बाबा का भोग प्रसाद भी ग्रहण करेंगे। धाम के निर्माण में लगे मजदूरों संग फोटो खिंचवाकर सबका साथ सबका विकास का संदेश देंगे।

काशी विश्वनाथ धाम का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 08 मार्च 2019 को किया था। अब 13 दिसम्बर को लोकार्पण करने पहुंच रहे है। 445 करोड़ रुपये की परियोजना को रिकॉर्ड समय दो वर्ष 9 माह नौ दिन पूरा किया गया है। निर्माण के लिए 320 भवनों को क्रय किया गया। जिसमें 498 करोड़ रुपये लागत आयी थी।

दिल्ली सरकार के 28 कॉलेजों में नहीं है गवर्निंग बॉडी

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित 28 कॉलेजों में ओबीसी कोटे के सबसे ज्यादा पद रिक्त पड़े हैं। इन कॉलेजों में भर्ती के लिए लिए आवश्यक गवर्निंग बॉडी ही नहीं है, जिसके कारण इन कॉलेजों ने अपने यहां रिक्त पदों को भरने के लिए विज्ञापन नहीं निकाले।

दिल्ली सरकार के इन 28 कॉलेजों की गवर्निंग बॉडी का कार्यकाल 13 सितम्बर को समाप्त हो गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अवर सचिव ए एस सजवान ने 17 मार्च 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों के प्रिंसिपलों को निर्देश जारी करते हुए ओबीसी विस्तार योजना के तहत गैर शैक्षिक पदों को भरे जाने की समय सीमा को आगे बढ़ाए जाने के निर्देश दिए थे। दरअसल प्रिंसिपलों ने ओबीसी विस्तार योजना के तहत गैर शैक्षिक स्वीकृत पदों को भरने के लिए समय सीमा की अनुमति मांगी थी।

इस संदर्भ में यूजीसी ने कॉलेजों को दिशा निर्देश देते हुए कहा था कि ओबीसी विस्तार योजना के तहत स्वीकृत गैर शैक्षिक पदों को भरे जाने की समय सीमा 31 दिसंबर 2021 तक बढ़ाई गई। ओबीसी विस्तार के इन पदों को भरने संबंधी यूजीसी द्वारा जारी सकरुलर को 9 महीने बीत गए मगर अभी तक इन पदों को भरने के लिए विज्ञापन नहीं दिया और न ही विश्वविद्यालय प्रशासन से रोस्टर ही पास कराया गया है।

बता दे कि दिल्ली सरकार के 28 कॉलेजों में पिछले तीन महीने से गवर्निंग बॉडी नहीं है, जबकि यूजीसी ने ओबीसी कोटे के पदों को भरने के लिए 31 दिसंबर तक एक्सटेंशन दिया है।

आम आदमी पार्टी के शिक्षक संगठन दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन (डीटीए) के अध्यक्ष डॉ. हंसराज सुमन ने यूजीसी द्वारा ओबीसी विस्तार योजना के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में स्वीकृत गैर शैक्षिक पदों को नहीं भरे जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कॉलेजों के प्रिंसिपलों को इन पदों को भरने के लिए विज्ञापन निकालने चाहिए थे। लेकिन कॉलेज प्रिंसिपलों ने ओबीसी कोटे के सैंकड़ों पदों को भरने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई ।

उन्होंने बताया है कि ओबीसी कोटे के गैर शैक्षिक पदों को भरने के यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय को लिखा गया था। साथ ही इन पदों के सेवा विस्तार योजना के अंतर्गत उनका विस्तार एक वर्ष तक बढ़ाने की मांग की थीं। लेकिन कोविड-19 को देखते हुए ऐसा संभव नहीं हो सका ,इसलिए यूजीसी ने इन पदों को भरने के लिए 31 दिसंबर 2021 तक का समय कॉलेजों को दिया है।

उनका कहना है कि जो कॉलेज ओबीसी कोटे विस्तार के पदों को नहीं भरे यूजीसी को इन कॉलेजों का अनुदान बंद कर देना चाहिए।

बता दें कि ओबीसी कर्मचारियों के गैर शैक्षिक पदों को कॉलेजों द्वारा 31 मार्च 2019 तक उन्हें भरा जाना था लेकिन अधिकांश कॉलेजों में इन पदों पर भर्ती के विज्ञापन ही नहीं निकाले।

इसके बाद एससी, एसटी, ओबीसी कर्मचारियों के संगठनों व टीचर्स एसोसिएशन ने यूजीसी को पत्र लिखा और यूजीसी ने इन पदों को भरने के लिए एक वर्ष का एक्सटेंशन देते हुए भरने का निर्देश दिया था।

हंसराज सुमन ने बताया है कि दिल्ली सरकार के 28 कॉलेजों में सबसे ज्यादा ओबीसी कोटे के रिक्त पद पड़े हुए हैं। इन कॉलेजों में मार्च 2019 से मार्च 2020 तक गवर्निंग बॉडी नहीं बनी थीं जिसके कारण इन कॉलेजों ने अपने यहां ओबीसी कोटे के पदों को भरने के विज्ञापन नहीं निकाले। 13 मार्च 20 20 को गवर्निंग बॉडी बनी लेकिन प्रिंसिपलों ने इन पदों को नहीं भरा ।दिल्ली सरकार के 28 कॉलेजों की गवर्निंग बॉडी का कार्यकाल 13 सितम्बर को समाप्त हो गया है।

डॉ. सुमन ने बताया है कि यूजीसी द्वारा कॉलेजों को भेजे गए दिशा निर्देश स्वीकृत गैर शैक्षिक पदों को भरे जाने की समय सीमा 31 दिसंबर 2021 तक बढ़ाए जाने का निर्णय लिया है क्योंकि इसमें निहित शर्तो का पालन करने के लिए यह विशेष मामला है और वित्त मंत्रालय द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि इसके अतिरिक्त किसी भी परिस्थिति में समय सीमा को आगे बढ़ाने के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

अब दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों के प्रिंसिपलों से मांग की जा रही है कि वे यूजीसी द्वारा ओबीसी कोटे के स्वीकृत पदों को भरने संबंधी जो दिशा निर्देश जारी किए हैं, वे कॉलेज अपने यहां ओबीसी पदों को भरने के लिए जल्द से जल्द ट्रेंकेटिड गवर्निंग बॉडी (अस्थायी प्रबंध समिति) से पास कराकर इन पदों के विज्ञापन निकाले और भरे।

बसपा सरकार में किसानों का पूरा ख्याल रखा गया था : मायावती

लखनऊ, 12 दिसम्बर (एजेन्सी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि उनकी सरकार में किसानों का हर मामले में पूरा-पूरा ध्यान रखा गया था, जिसे किसान भूले नहीं हैं। उनकी सरकार ने उन्हीं चीनी मिलों को हटाया गया था जो पहले से ही बंद थी।

मायावती ने रविवार को ट्वीट कर कहा है कि उत्तर प्रदेश में बसपा की सरकार में नहीं बल्कि पूर्व की रही सरकारों के समय से ही यहां काफी चीनी मिलें बंद चल रही थीं। उन्हीं में से कुछ चीनी मिलें हटाई गईं, लेकिन इसे लेकर जबरदस्ती पूर्व की सरकारों की कमियां बसपा सरकार पर थोपना ठीक नहीं।

उन्होंने साथ ही यह भी कहा है कि अभी हाल ही में बुंदेलखंड में यूरिया की कमी को लेकर वहां किसान सड़कों पर उतरे। भाजपा इसको लेकर भी दूसरों पर आरोप लगा रही है। ऐसा करना उचित नहीं।

बसपा की सरकारों में किसानों का हर मामले में पूरा-पूरा ध्यान रखा गया था, जिसे किसान भूले नहीं हैं।

सीबीआई मुसलमानों को डराती है, अखिलेश से मोदी को मोहब्बत : ओवैसी

कानपुर, 12 दिसम्बर (एजेन्सी)। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि सीबीआई मुसलमानों को डराती है, सपा मुखिया अखिलेश यादव को नहीं। अखिलेश से तो मोदी को मोहब्बत है। मुलायम मोदी को प्रधानमंत्री बनने का आशीर्वाद देते हैं। वह रविवार को जीआईसी ग्राउंड चुन्नीगंज में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

ओवैसी ने ऐलान किया कि उनकी पार्टी प्रदेश में 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यूपी में 10-15 सीटें भी जीत लीं तो अगला उप मुख्यमंत्री मुसलमान होगा। छोटे दलों से गठबंधन कर रहे हैं। बोले, हम मुसलमानों को उत्तर प्रदेश में उनका हिस्सा दिलाना चाहते हैं। जिन जातियों की आबादी 02 से 11 फीसदी तक है, अखिलेश यादव उनसे गठबंधन कर रहे हैं लेकिन 19 फीसदी आबादी वालों से दूर भागते हैं। उन्हें सिर्फ वोट चाहिए, वह हिस्सा नहीं देना चाहते।

ओवैसी ने अपने पूरे भाषण में सपा, भाजपा को खासतौर से निशाना बनाया। कहा, जिनकी आबादी का प्रतिशत कम था उनके साथ सपा ने डिप्टी सीएम बनाने का वादा कर चुनावी समझौता कर लिया। सपा की सरकार में थानों में यादव और योगी की सरकार में थानों में ठाकुर अधिकारी दिखते हैं। आजम खान ने नौकरियां दीं तो भाजपा ने उन्हें जेल में भेज दिया। पूछा, फिर सरकार की अखिलेश पर मेहरबानी क्यों।

ओवैसी ने कहा कि यूपी में पानी की कीमत है लेकिन मुसलमान के जान की नहीं। कानपुर के मनीष कांड का हवाला देते हुए कहा कि जिसे गोरखपुर की पुलिस ने मार दिया, उनके परिवार को भाजपा और सपा ने लाखों रुपए दिए। पत्नी को सरकारी नौकरी दी। सीएए आंदोलन में मारे गए तीन मुसलमानों के घर कोई नहीं पहुंचा। उन्नाव समेत आसपास की अन्य घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी ने एक भी मुसलमान को पैसा नहीं दिया। कानपुर देहात में बेटी के सामने बाप को पुलिस मार रही है। वर्दी के बल पर जो हीरो बनते हैं, वह फिर जीरो हो जाते हैं। मौत का कोई ठिकाना नहीं।

ओवैसी ने कहा कि चुनाव में मुसलमान कहां जाएगा इसकी सभी को फिक्र है। आप (मुसलमान) सेक्युलरिज़्म बचाने और किसी को जिताने के ठेकेदार नहीं हैं। बाबरी मस्जिद विध्वंस के सीबीआई प्रकरण पर सदन में बहस का हवाला देते हुए सपा, कांग्रेस को घेरा।

ओवैसी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर टिप्पणी करते हुए कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट में यूपी के 44 फीसदी लोग कुपोषित हैं। यह कानपुर में 41 फीसदी है। यूपी में 37 फीसदी बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं।

ओवैसी ने कहा कि कोई भी हमेशा प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री नहीं रह सकता। एक दिन मोदी पहाड़ों में और योगी मठ में होंगे। मुसलमान जुल्म कभी नहीं भूलेगा। सभा में प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली, आसिम वकार, वारिस पठान, माजिद हुसैन, मोईनुद्दीन अनवर, दिलदार काजी, सैय्यद मोहम्मद साजिद, नासिर एडवोकेट, रूबा सिद्दीकी आदि ने विचार व्यक्त किए। मुजीब इकराम समेत करीब एक दर्जन लोगों ने पार्टी की सदस्यता ली।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com